

- ◆ इतिहास का पिता कहा जाता है- हेरोडोटस को
- ◆ हेरोडोटस निवासी थे - यूनान के
- ◆ पहिया/कृषि का आविष्कार - नवपाषाण काल
- ◆ आग का आविष्कार तथा होमोसेपियन्स (ज्ञानी मानव) का उदय हुआ- पुरापाषाण काल में
- ◆ पशुपालन का प्रारंभ- मध्य पाषाण काल में
- ◆ भीमबेटका है - एक पुरातात्विक स्थल
- ◆ भीमबेटका प्रसिद्ध है- गुफा शैल चित्रों हेतु
- ◆ भीमबेटका है- रायसेन जिला, मध्य प्रदेश में
- ◆ विश्व का सबसे प्राचीन/प्रथम अभिलेख है - बोगाजकोई अभिलेख (एशिया माइनर में)
- ◆ आदि मानव ने सर्वप्रथम सीखा- आग जलाना
- ◆ मानव ने सर्वप्रथम प्रयोग किया - ताँबा धातु
- ◆ सबसे पहले पालतू बनाया गया - कुत्ता को
- ◆ सिंधु सभ्यता का काल- 2500-1750 ई. पू.
- ◆ सिंधु घाटी सभ्यता थी- आद्य ऐतिहासिक
- ◆ सिंधु सभ्यता प्रसिद्ध थी- नगर नियोजन हेतु
- ◆ सिंधु सभ्यता की लिपि थी- भाव-चित्रात्मक
- ◆ सिंधु सभ्यता के लोगों का व्यवसाय- कृषि
- ◆ सिंधुवासियों का मुख्य फसल- जौ और गेहूँ
- ◆ कपास की खेती प्रारंभ की- सिंधुवासियों ने
- ◆ सिंधु सभ्यता का पूर्वी एवं पश्चिमी पुरास्थल है - क्रमशः आलमगीरपुर (मेरठ, उत्तर प्रदेश) तथा सुतकारगंड़ोर (बलुचिस्तान)
- ◆ सिंधु सभ्यता का उतरी एवं दक्षिणी पुरास्थल - क्रमशः मांडा (अखनूर, जम्मू-कश्मीर) एवं दाइमाबाद (अहमदनगर, महाराष्ट्र)
- ◆ आलमगीरपुर स्थित है - हिंडन नदी पर
- ◆ मांडा स्थित है - चिनाब नदी के किनारे
- ◆ सिंधु सभ्यता थी - नगरीय सभ्यता
- ◆ सिंधु सभ्यता का विस्तार था - त्रिभुजाकार
- ◆ सिंधु सभ्यता का प्रमुख बंदरगाह - लोथल
- ◆ लोथल स्थित है - भोगवा नदी के किनारे
- ◆ भारत में हड़प्पा का वृहद् स्थल - राखीगढ़ी (हिसार, हरियाणा में घग्घर नदी के तट पर)
- ◆ सिंधुवासी पूजा करते थे - पशुपति की
- ◆ हड़प्पा/सिंधु सभ्यता के बारे में सबसे पहले जानकारी दी - चार्ल्स मैसन ने (1826 में)
- ◆ हड़प्पा स्थित है- पाकिस्तान के पंजाब प्रांत के मोंटगोमरी जिला में रावी नदी के तट पर
- ◆ हड़प्पा की खोज- दयाराम साहनी (1921 में)
- ◆ हड़प्पा की सभ्यता थी - कांस्ययुगीन
- ◆ हड़प्पाई समाज थी - मातृसत्तात्मक
- ◆ स्वास्तिक चिन्ह देन है- हड़प्पा सभ्यता की
- ◆ हड़प्पा निवासी का रूचि था - शतरंज खेल में
- ◆ धौलावीरा स्थित है- गुजरात (कच्छ जिला)
- ◆ R-37 कब्रिस्तान मिला है - हड़प्पा से
- ◆ हड़प्पा के लोग अनभिज्ञ थे - लोहा से
- ◆ हड़प्पा में मिट्टी के बर्तन पर प्रयुक्त रंग - लाल
- ◆ मोहनजोदड़ों एवं हड़प्पा की पुरातात्विक खुदाई के प्रभारी थे - सर जॉन मार्शल
- ◆ मिश्र के राजा कहलाते थे - फराओ
- ◆ चावल के साक्ष्य - लोथल एवं रंगपुर से
- ◆ जूते हुए खेत के साक्ष्य - कालीबंगा से

## प्राचीन भारत

- ◆ कालीबंगा का अर्थ है- काले रंग की चूड़ियाँ
- ◆ अग्निकुंड प्राप्त हुए - लोथल/कालीबंगा से
- ◆ घोड़ों के हड्डी के अवशेष - सुरकोटदा से
- ◆ सिंधु सभ्यता की सबसे बड़ी इमारत है - मोहनजोदड़ो (खोज-1922) से प्राप्त अन्नागार
- ◆ मोहनजोदड़ो की खोज - राखलदास बनर्जी
- ◆ मोहनजोदड़ो का अर्थ है - मृतकों का टीला
- ◆ नर्तकी की कांस्य मूर्ति मिली- मोहनजोदड़ों से
- ◆ मोहनजोदड़ो है - पाकिस्तान के सिंध प्रांत के लरकाना जिला में सिंधु नदी के तट पर
- ◆ मोहनजोदड़ो से प्राप्त स्मारक - वृहत स्नानागार
- ◆ मेसोपोटामिया (आधुनिक नाम-इराक) का अर्थ है - दो नदियों की बीच की भूमि
- ◆ वैदिक सभ्यता का काल- 1500-600 ई.पू.
- ◆ वैदिक सभ्यता का निर्माता/संस्थापक - आर्य
- ◆ आर्यों की जानकारी मिलती है - ऋग्वेद से
- ◆ ऋग्वैदिक काल में आजीवन अविवाहित रहने वाली महिलाओं को कहा जाता था - अमाजू
- ◆ आर्य भारत आये - 1500 ई. पू. से पहले
- ◆ आर्य पहले बसे- पंजाब एवं आफगानिस्तान
- ◆ आर्यों का मूल निवास स्थान - मध्य एशिया
- ◆ आर्यों का मुख्य व्यवसाय - पशुपालन व कृषि
- ◆ आर्यों की भाषा/पेयपदार्थ थी - संस्कृत/सोमरस
- ◆ आर्यों का प्रिय पशु/देवता थे - घोड़ा/इंद्र
- ◆ आर्यों का समाज था - पितृप्रधान
- ◆ वेदों व वेदांगों की संख्या- क्रमशः 4 एवं 6
- ◆ सबसे प्राचीन वेद - ऋग्वेद (सूक्त-1028)
- ◆ ऋग्वेद के संकलनकर्ता-कृष्ण द्वैपायन वेदव्यास
- ◆ ऋग्वेद ऋचाओं को पढ़ने वाले ऋषि- होतृ
- ◆ ऋग्वेद में सर्वाधिक बार वर्णित नदी- सिंधु
- ◆ ऋग्वेद में वर्णित सबसे पवित्र नदी- सरस्वती
- ◆ ऋग्वेद में गंगा/यमुना का उल्लेख - 1/3 बार
- ◆ ऋग्वेद में वर्णित प्रमुख देवता- इन्द्र (पुरंदर)
- ◆ 'गायत्री मंत्र' है- ऋग्वेद के तीसरे मंडल में
- ◆ 'गायत्री मंत्र' के रचनाकार - विश्वामित्र
- ◆ गायत्री मंत्र समर्पित है-सूर्य देवता सावित्री को
- ◆ दशराज युद्ध (दस राजाओं का युद्ध) का उल्लेख मिलता है - ऋग्वेद के 7वें मंडल में
- ◆ दशराज युद्ध लड़ा गया - परुष्णी (रावी) नदी के तट सुदास एवं दस जनों के बीच
- ◆ 8वें मंडल की ऋचाएँ कहलाती है - खिल
- ◆ 'सोम देवता' को समर्पित मंडल है - नौवाँ
- ◆ ऋग्वेद में सबसे बाद निर्मित मंडल - 10वाँ
- ◆ ऋग्वेद की मूल लिपि थी - ब्राह्मी लिपि
- ◆ वैदिक काल में किस जानवर को 'अघ्न्या' (न मारे जाने योग्य) माना गया - गाय को
- ◆ उत्तर वैदिक काल के संबंध में जानकारी मिलती है - सामवेद, यजुर्वेद, अथर्ववेद से
- ◆ 'गोत्र' शब्द की उत्पत्ति- उत्तर वैदिक काल में
- ◆ उत्तर वैदिक काल के प्रमुख देवता - प्रजापति
- ◆ उत्तर वैदिककालीन समाज चार वर्णों में विभक्त था - ब्राह्मण, क्षत्रिय, वैश्य तथा शूद्र

- ◆ गद्य एवं पद्य वाला वेद है - यजुर्वेद
- ◆ 'यज्ञ' संबंधी विधि-विधान है - यजुर्वेद में
- ◆ तंत्र-मंत्र संग्रहीत वेद है - अथर्ववेद
- ◆ भारतीय संगीत का जनक है - ऋग्वेद
- ◆ सामवेद / यजुर्वेद के मंत्रों को उच्चारण करने वाले ऋषि कहलाएँ - उद्गाता/अध्वार्यु
- ◆ 'ऐतरेय ब्राह्मण' संबंधित है - ऋग्वेद से
- ◆ 'पंचवीश ब्राह्मण' संबंधित है - सामवेद से
- ◆ 'गोपथ ब्राह्मण' संबंधित है - अथर्ववेद से
- ◆ 'शतपथ ब्राह्मण' संबंधित है - यजुर्वेद से
- ◆ पुराणों (कुल संख्या-18) का अध्ययन करने वाला प्रथम मूसलमान - अलबरूनी
- ◆ पुराणों के संकलनकर्ता - लोमहर्ष एवं उग्रश्रवा
- ◆ सबसे प्राचीन पुराण है - मत्स्य पुराण
- ◆ मौर्य वंश की जानकारी - विष्णु पुराण से
- ◆ सातवाहन वंश की जानकारी- मत्स्य पुराण से
- ◆ गुप्त वंश की जानकारी - वायु पुराण से
- ◆ उपनिषद् विषय वस्तु है - दर्शन का
- ◆ दर्शनों में सर्वाधिक प्राचीन - सांख्य दर्शन
- ◆ न्याय/सांख्य दर्शन के प्रवर्तक - गौतम/कपिल
- ◆ योग/मीमांसा दर्शन के प्रवर्तक-पतंजलि/जैमिनी
- ◆ ब्राह्मण ग्रंथ संबंधित है - कर्मकांड से
- ◆ उपनिषदों की संख्या - 108 (प्रमाणिक-13)
- ◆ 'सत्यमेव जयते' लिया गया- मुण्डकोपनिषद् से
- ◆ 'तमसो मा ज्योतिर्गमय' तथा 'ओम्' लिया गया - वृहदारण्यक उपनिषद् से
- ◆ भारत की प्रथम कानून की पुस्तक- मनुस्मृति
- ◆ स्मृति ग्रंथों में सबसे प्राचीन है - मनुस्मृति
- ◆ प्राचीन हिन्दू विधि (मनुस्मृति) के लेखक- मनु
- ◆ भारत का प्रथम महाकाव्य - रामायण
- ◆ रामायण के रचयिता - महर्षि वाल्मीकी
- ◆ भारत का सबसे बड़ा महाकाव्य- महाभारत
- ◆ महाभारत के रचयिता - महर्षि वेदव्यास
- ◆ महाभारत का अन्य नाम है - जय संहिता
- ◆ महाभारत का फारसी अनुवाद 'रज्मनामा' नाम से किया था - बदायूनी ने 16वीं सदी में
- ◆ रामायण का फारसी में अनुवाद - बदायूनी ने
- ◆ चार वेदों का सम्मिलित रूप है - संहिता
- ◆ बुद्ध जन्मे थे - लुम्बिनी में (563 ई.पू.)
- ◆ बुद्ध के जन्म का प्रतीक - कमल एवं सांड
- ◆ बुद्ध की मृत्यु - कुशीनगर में (483 ई.पू.)
- ◆ कुशीनगर थी - मल्ल गणराज्य की राजधानी
- ◆ बुद्ध की मृत्यु की घटना है- महापरिनिर्वाण
- ◆ बुद्ध के पिता - शुद्धोधन (शाक्य कुल)
- ◆ बुद्ध की माता- महामाया देवी (कोलिय वंश)
- ◆ बुद्ध का अन्य नाम था - सिद्धार्थ/तथागत
- ◆ बुद्ध के प्रथम गुरु थे - अलारकलाम
- ◆ बुद्ध के प्रिय घोड़ा/सारथी - कंथक/चन्ना
- ◆ बुद्ध के गृहत्याग की घटना- महाभिनिष्क्रमण
- ◆ बुद्ध के गृहत्याग का प्रतीक - घोड़ा
- ◆ बुद्ध का प्रथम प्रवचन कहलाया- धर्मचक्रप्रवर्तन
- ◆ बुद्ध को ज्ञान की प्राप्ति हुई - बोध गया में
- ◆ निरंजना तटी के तट पर पीपल वृक्ष के नीचे
- ◆ बुद्ध ने प्रथम उपदेश दिया - सारनाथ में



- ◆ बुद्ध ने उपदेश दिया था - पाली भाषा में
- ◆ बुद्ध ने सर्वाधिक उपदेश दिए - श्रावस्ती में
- ◆ बुद्ध ने अपना अंतिम उपदेश दिया - सुभद्र को
- ◆ बुद्ध ग्रंथों में सबसे प्राचीन ग्रंथ - त्रिपिटक
- ◆ त्रिपिटक ग्रंथ है - बुद्ध के उपदेशों का संग्रह
- ◆ बौद्ध धर्म के त्रिरत्न हैं - बुद्ध, धम्म और संघ
- ◆ बौद्ध धर्म ग्रहण करने वाली प्रथम महिला - गौतमी
- ◆ 'बुद्धचरित' की रचना - अश्वघोष ने
- ◆ गांधार कला संबंधित है - बौद्ध धर्म से
- ◆ प्रथम बौद्ध संगीति 483 ई.पू. हुआ था - अजातशत्रु के शासनकाल में (राजगृह में)
- ◆ द्वितीय बौद्ध संगीति 383 ई.पू. हुआ था - कालाशोक के शासनकाल में (वैशाली में)
- ◆ तृतीय बौद्ध संगीति 250 ई.पू. हुआ था - अशोक के शासनकाल में (पाटलिपुत्र में)
- ◆ चतुर्थ बौद्ध संगीति (ई. की प्रथम शताब्दी) - कनिष्क के समय, कुण्डलवन (कश्मीर) में
- ◆ बौद्ध संगीति के आयोजन स्थल का क्रम है - राजगृह, वैशाली, पाटलिपुत्र, कश्मीर
- ◆ प्रथम बौद्ध संगीति के अध्यक्ष - महाकश्यप
- ◆ द्वितीय बौद्ध संगीति के अध्यक्ष - सबाकामी
- ◆ तृतीय बौद्ध संगीति के अध्यक्ष - मोगलिपुत्र तिस्स
- ◆ चतुर्थ बौद्ध संगीति के अध्यक्ष - वसुमित्र
- ◆ पहली बार बौद्ध धर्म का विभाजन - द्वितीय बौद्ध संगीति में (दूबारा - चतुर्थ संगीति में)
- ◆ हीनयान और महायान अस्तित्व में आया - चतुर्थ बौद्ध संगीति में
- ◆ बुद्ध के पूर्वजन्म पर आधारित कथा - जातक
- ◆ अजंता की गुफाओं में किस ग्रंथ का चित्रण है - जातक (बौद्धों का पवित्र ग्रंथ)
- ◆ बौद्ध धर्म का पूजा स्थल है - चैत्य मंडप
- ◆ विश्व शांति स्तूप है - राजगीर (बिहार) में
- ◆ 'एशिया का ज्योति पुंज' कहा गया - बुद्ध को
- ◆ बुद्ध की मूर्तियों का निर्माण - कुषाण काल में
- ◆ बुद्ध के प्रमुख अनुयायी शासक थे - बिम्बिसार, प्रसेनजित एवं उदायिन
- ◆ जैन धर्म के संस्थापक एवं प्रथम तीर्थंकर थे - ऋषभदेव (अन्य नाम 'आदिनाथ')
- ◆ जैन धर्म के वास्तविक संस्थापक - महावीर
- ◆ जैन धर्म के 22वें तीर्थंकर थे - अरिष्टनेमी
- ◆ जैन धर्म के 23वें तीर्थंकर थे - पार्श्वनाथ
- ◆ पार्श्वनाथ/महावीर का प्रतीक चिह्न - सर्प/सिंह
- ◆ पार्श्वनाथ को ज्ञान की प्राप्ति - समेध पर्वत पर
- ◆ पार्श्वनाथ की चार शिक्षाएँ हैं - सत्य, अहिंसा, अस्तेय एवं अपरिग्रह
- ◆ पाँचवा महाव्रत 'ब्रह्मचर्य' जोड़ा - महावीर ने
- ◆ जैन धर्म के अंतिम (24वाँ) तीर्थंकर - महावीर
- ◆ महावीर (पत्नी-यशोदा) का जन्म हुआ था - कुंडग्राम (वैशाली, 599 ई.पू.) में
- ◆ महावीर की मृत्यु - पावापुरी में (468 ई.पू.)
- ◆ महावीर के बचपन का नाम - वर्द्धमान
- ◆ महावीर किस राजघराने में पैदा हुए - क्षत्रीय
- ◆ महावीर के पिता - सिद्धार्थ (ज्ञानुक कुल)
- ◆ महावीर के माता - त्रिशला (लिच्छवी गणराज्य)
- ◆ महावीर के पुत्री का नाम - अनोज्जा/प्रियदर्शनी
- ◆ महावीर स्वामी को ज्ञान की प्राप्ति हुई थी - जम्बिक ग्राम में ऋजुपालिका नदी के तट पर शाल वृक्ष के नीचे
- ◆ जैन धर्म में पूर्ण ज्ञान के लिए शब्द - कैवल्य
- ◆ जैनधर्म का परम लक्ष्य है - मोक्ष की प्राप्ति
- ◆ जैन तीर्थंकर की जीवनी का उल्लेख - कल्पसूत्र
- ◆ महावीर ने प्रथम उपदेश दिया - राजगृह में
- ◆ प्रथम शिष्य/अनुयायी था - जमाली (दामाद)
- ◆ महावीर के शिष्य कहलाये - गणधर/गंधर्व
- ◆ महावीर और बुद्ध दोनों ने उपदेश दिया था - मगध नरेश बिम्बिसार के शासनकाल में
- ◆ जैनधर्म के त्रिरत्न हैं - सम्यक दर्शन, सम्यक ज्ञान, सम्यक आचरण
- ◆ जैनधर्म के दो सम्प्रदाय - श्वेताम्बर व दिगम्बर
- ◆ श्वेताम्बर सम्प्रदाय के संस्थापक - स्थूलभद्र
- ◆ दिगम्बर सम्प्रदाय के संस्थापक - भद्रबाहु
- ◆ जैन तीर्थंकरों की जीवनी है - कल्पसूत्र में
- ◆ 'कल्पसूत्र' की रचना की थी - भद्रबाहु ने
- ◆ जैन साहित्य को कहा जाता है - आगम
- ◆ प्रथम जैनसभा (300 ई.पू.) हुई थी - पाटलिपुत्र में, स्थूलभद्र की अध्यक्षता में
- ◆ दूसरी जैनसभा (512 ई.) हुई थी - वल्लभी में, देवर्षि क्षमाश्रवण की अध्यक्षता में
- ◆ भारत में जैन धर्म का बड़ा समर्थक - खारवेल
- ◆ आजीवक पंथ का प्रवर्तक - मखली गोशाल
- ◆ भागवत/वैष्णव धर्म के प्रवर्तक थे - कृष्ण
- ◆ 'श्रीमद्भागवतगीता' लिखी गई - संस्कृत में
- ◆ 'गीता' का अनुवाद अंग्रेजी में - विलकिंस ने
- ◆ भागवत धर्म से संबंधित प्राचीनतम अभिलेखीय साक्ष्य है - हेलियोडोरस का बेसनगर अभिलेख
- ◆ भक्ति आन्दोलन का प्रारंभ - अल्वर संतों ने
- ◆ सूफी धर्म आन्दोलन का विकास - 9वीं सदी में
- ◆ इस्लाम धर्म के संस्थापक - हजरत मुहम्मद साहब (जन्म - 570 ई. में मक्का में)
- ◆ मुहम्मद साहब के पिता का नाम - अब्दुला
- ◆ मुहम्मद साहब के माता का नाम - अमीना
- ◆ हजरत मुहम्मद साहब को ज्ञान की प्राप्ति हुई - 610 ई. में हीरा नामक गुफा में
- ◆ हिजरी संवत् की शुरुआत हुई - 622 ई. में
- ◆ मुहम्मद साहब की मृत्यु - 632 ई., मदीना में (उनके उत्तराधिकारी कहलाए-खलीफा)
- ◆ इस्लाम धर्म का पवित्र ग्रंथ है - कुरान
- ◆ ईसाई धर्म के संस्थापक - ईसा मसीह
- ◆ ईसाई धर्म का प्रमुख ग्रंथ - बाइबिल
- ◆ ईसा मसीह का जन्म - 4 ई. पू. (बेथलेहम में)
- ◆ ईसा मसीह को सूली पर चढ़ाया गया - 33 ई. में, रोमन गवर्नर पोंटियस द्वारा
- ◆ पारसी धर्म के संस्थापक - पैगम्बर जरथुस्ट
- ◆ पारसियों का धार्मिक ग्रंथ है - जेंद अवेस्ता
- ◆ 16 महाजनपदों की सूची मिलती है - बौद्ध ग्रंथ 'अंगुत्तरनिकाय' एवं जैन ग्रंथ 'भगवती सूत्र'
- ◆ अवन्ति/अंग की राजधानी - उज्जैन/चंपा
- ◆ कोशल/मल्ल की राजधानी - श्रावस्ती/कुशीनारा
- ◆ वत्स/शूरसेन की राजधानी - कौशांबी/मथुरा
- ◆ वज्जि/गांधार की राजधानी - वैशाली/तक्षशिला
- ◆ मगध के सबसे प्राचीन वंश का संस्थापक - वृहद्रथ (वास्तविक संस्थापक-बिम्बिसार)
- ◆ मगध की प्रथम राजधानी - गिरिबज्ज (राजगृह)
- ◆ हर्यक वंश का संस्थापक था - बिम्बिसार
- ◆ बिम्बिसार का राजवैद्य था - जीवक
- ◆ बिम्बिसार की हत्या - अजातशत्रु ने
- ◆ अजातशत्रु/कुणिक की हत्या - उदायिन ने
- ◆ पाटलिपुत्र की स्थापना की थी - उदायिन ने
- ◆ पाटलिपुत्र बसा है - गंगा-सोन के संगम पर
- ◆ हर्यक वंश का अंतिम राजा - नागदशक
- ◆ शिशुनाग वंश का संस्थापक था - शिशुनाग
- ◆ नन्द वंश का संस्थापक था - महापद्मनंद
- ◆ 'एकराट' की उपाधि धारण की - महापद्मनंद
- ◆ नंद वंश का अंतिम शासक था - धनानंद
- ◆ 'अष्टाध्यायी' प्रसिद्ध कृति है - पाणिनी की
- ◆ भारत पर प्रथम आक्रमण किया - ईरानियों ने
- ◆ भारत पर प्रथम सफल आक्रमण किया - डेरियस प्रथम या दारा प्रथम ने 516 ई.पू.
- ◆ भारत पर आक्रमण करने वाला पहला यूनानी शासक था - सिकन्दर (326 ई. पू.)
- ◆ सिकंदर (पिता-फिलीप) का जन्म - 356 ई. पू.
- ◆ धनानंद समकालीन था - सिकंदर के
- ◆ सिकंदर की मृत्यु - 323 ई.पू. (बेबीलोन में)
- ◆ सेल्यूकस निकेटर था - सिकंदर का सेनापति
- ◆ सिकंदर (गुरु-अरस्तु) का घोड़ा - बुकाफेला
- ◆ सिकंदर और पोरस के बीच का युद्ध कहलाता है - हाइडेस्पीज या झेलम/वितस्ता का युद्ध
- ◆ मौर्य वंश का संस्थापक - चन्द्रगुप्त मौर्य
- ◆ मौर्य वंश की प्रचलित मुद्रा थी - पण
- ◆ सुदर्शन झील का निर्माण - चन्द्रगुप्त मौर्य ने
- ◆ चन्द्रगुप्त मौर्य अनुयायी था - जैन धर्म का
- ◆ चन्द्रगुप्त जैन धर्म की दीक्षा ली - भद्रबाहु से
- ◆ चन्द्रगुप्त मौर्य के गुरु एवं महामंत्री - चाणक्य
- ◆ चाणक्य के अन्य नाम - विष्णुगुप्त/कौटिल्य
- ◆ कौटिल्य रचित 'अर्थशास्त्र' की पुस्तक संबंधित है - राजनीति से, जिसकी तुलना मैक्यावेली के पुस्तक 'प्रिंस' से की जाती है
- ◆ 'भारत का मुक्तिदाता' कहा जाता है - चन्द्रगुप्त मौर्य को
- ◆ भारत का मैक्यावेली कहा गया - चाणक्य को
- ◆ जस्टिन ने 'सैंडोकाटस' कहा - चन्द्रगुप्त मौर्य को
- ◆ विशाखदत्त समकालीन थे - चन्द्रगुप्त मौर्य के
- ◆ 'मुद्राराक्षस' नाटक के रचयिता - विशाखदत्त
- ◆ चन्द्रगुप्त मौर्य के दरबार में आने वाला प्रसिद्ध यूनानी था - मेगास्थनीज (पुस्तक-इंडिका)
- ◆ मेगास्थनीज था - सेल्यूकस निकेटर का राजदूत
- ◆ सेल्यूकस को पराजित किया था - चन्द्रगुप्त मौर्य ने 305 ई. पू.
- ◆ चन्द्रगुप्त का विवाह हुआ था - सेल्यूकस की पुत्री कार्नेलिया (हेलन) के साथ
- ◆ चन्द्रगुप्त मौर्य की मृत्यु हुई - 298 ईसा पूर्व श्रवणबेलगोला (कर्नाटक) में उपवास द्वारा



- ◆ श्रवणबेलगोला में गोमटेश्वर की विशाल प्रतिमा को बनवाया था - **चामुंडराय (983 ई.)** ने
- ◆ चन्द्रगुप्त मौर्य का पुत्र/उत्तराधिकारी - **बिन्दुसार**
- ◆ अमित्रघात के रूप में प्रसिद्ध था - **बिन्दुसार**
- ◆ डाइमेकस भारत आया - **बिन्दुसार के समय**
- ◆ बिन्दुसार अनुयायी था - **आजीवक संप्रदाय का**
- ◆ बिन्दुसार का पुत्र/उत्तराधिकारी - **अशोक**
- ◆ अशोक मगध की गद्दी पर बैठा - **269 ई.पू.**
- ◆ अशोक ने 'धम्म' स्वीकार किया था - **कलिंग युद्ध (261 ई.पू.) के बाद**
- ◆ अशोक ने बौद्ध धर्म के प्रचार के लिए श्रीलंका भेजा था - **पुत्र महेन्द्र एवं पुत्री संघमित्रा को**
- ◆ शिलालेख का प्रचलन प्रारंभ किया-**अशोक ने**
- ◆ शिलालेख में प्रयुक्त भाषा थी - **प्राकृत**
- ◆ शिलालेख में प्रयुक्त लिपि थी - **ब्राह्मी, खरोष्ठी, ग्रीक तथा अरमाईक (सर्वाधिक-ब्राह्मी)**
- ◆ खरोष्ठी लिपि लिखी जाती है - **दाएँ से बाएँ**
- ◆ ब्राह्मी लिपि लिखी जाती है - **बाएँ से दाएँ**
- ◆ अशोक के शिलालेख (संख्या-14) की खोज सर्वप्रथम किया - **टी-फेन्थेलर ने 1750 में**
- ◆ अशोक का सबसे लंबा स्तम्भ लेख- **सातवाँ**
- ◆ अशोक के अभिलेख को सर्वप्रथम पढ़ा था - **जेम्स प्रिंसेप ने (1837 ई. में)**
- ◆ अशोक का सबसे छोटा स्तम्भ लेख- **रूमिनदेई**
- ◆ अशोक का नाम 'अशोक' है- **मॉस्की (आंध्र प्रदेश) एवं गुर्जरा (म. प्र.) अभिलेख में**
- ◆ अभिलेखों में अशोक को कहा गया- **देवानामप्रिय**
- ◆ अशोक ने स्वयं को मगध का सम्राट बताया है - **भाब्रू शिलालेख (राजस्थान) में**
- ◆ कलिंग युद्ध का वर्णन है- **13 वें शिलालेख में**
- ◆ सांची स्तूप (म. प्रदेश) का निर्माण-**अशोक ने**
- ◆ भरहूत स्तूप है- **अशोक कालीन, म. प्रदेश में**
- ◆ भरहूत की खोज - **1873 में, कनिंघम ने**
- ◆ श्रीनगर की स्थापना किया था - **अशोक ने**
- ◆ अशोक ने बौद्ध धर्म की दीक्षा ली - **उपगुप्त से**
- ◆ अशोक की मृत्यु हुई थी - **232 ई. पू.**
- ◆ मौर्य वंश का अंतिम शासक था - **बृहद्रथ**
- ◆ मौर्य साम्राज्य की सबसे छोटी इकाई - **ग्राम**
- ◆ शुंग वंश की स्थापना - **पुष्यमित्र शुंग ने**
- ◆ शुंग शासकों की राजधानी थी - **विदिशा**
- ◆ पुष्यमित्र शुंग ने अश्वमेध यज्ञ कराया था - **दो**
- ◆ मनुस्मृति की रचना हुई थी - **पुष्यमित्र शुंग के शासनकाल में**
- ◆ पुष्यमित्र शुंग के पुरोहित थे - **पतंजलि**
- ◆ 'महाभाष्य' के रचयिता - **पतंजलि**
- ◆ 'योग दर्शन' के प्रतिपादक - **पतंजलि**
- ◆ तक्षशिला का यवन राजदूत हेलियोडोरस भारत आया - **शुंग के 9वें राजा भागवत के समय**
- ◆ शुंग वंश का अंतिम शासक था - **देवभूति**
- ◆ कण्व वंश का संस्थापक - **वासुदेव**
- ◆ कण्व वंश का अंतिम शासक था - **सुशर्मा**
- ◆ सातवाहन/आंध्र वंश का संस्थापक- **सिमुक**
- ◆ सातवाहन वंश (राजधानी-प्रतिष्ठान, महाराष्ट्र) का महान्तम शासक- **गौतमीपुत्र शातकर्णी**

- ◆ सीसा का सिक्का चलवाया - **सातवाहनों ने**
- ◆ ब्राह्मणों को भूमि दान देने की परंपरा की शुरुआत की - **सातवाहनों ने**
- ◆ सातवाहनों की भाषा/लिपि थी - **प्राकृत/ब्राह्मी**
- ◆ कलिंग (ओडिशा) के चेदी राजवंश का संस्थापक था - **महामेघवाहन**
- ◆ चेदी वंश का शक्तिशाली शासक - **खारवेल**
- ◆ हाथीगुम्फा शिलालेख उत्कीर्ण कराया था - **कलिंग नरेश खारवेल ने**
- ◆ हाथीगुम्फा शिलालेख स्थित है - **उदयगिरी पहाड़ी में (भुवनेश्वर, ओडिशा)**
- ◆ भारत पर आक्रमण करने वाले विदेशी थे - **हिन्द-यूनानी, शक, पहलव, कुषाण**
- ◆ हिन्द-यूनानियों की राजधानी थी - **शाकल**
- ◆ भारत में सर्वप्रथम सोने के सिक्के जारी किए - **हिन्द-यूनानी (इंडो ग्रीक) शासकों ने**
- ◆ सैनिक शासन व्यवहार में लाया - **ग्रीकों ने**
- ◆ भारत आने वाला प्रथम यवन - **डेमेट्रियस**
- ◆ प्रमुख हिन्द-यूनानी शासक था - **मिनांडर**
- ◆ मिनांडर को हराया था - **पुष्यमित्र शुंग ने**
- ◆ मिनांडर (मिलिन्द) ने बौद्ध धर्म की दीक्षा ली - **नागसेन (नागार्जुन) से**
- ◆ 'मिलिन्दपन्हो' ग्रंथ की रचना - **नागसेन ने**
- ◆ यूनानियों के बाद भारत आए - **शक**
- ◆ शकों का सबसे प्रतापी शासक - **रुद्रदामन**
- ◆ सुदर्शन झील का जीर्णोद्धार - **रुद्रदामन ने**
- ◆ संस्कृत में जारी पहला अभिलेख- **जुनागढ़ या गिरनार अभिलेख (रुद्रदामन द्वारा जारी)**
- ◆ जुनागढ़ अभिलेख संबंधित है - **मौर्यों से**
- ◆ पहलव (पार्थियन) की राजधानी थी- **तक्षशिला**
- ◆ कुषाण वंश का संस्थापक- **कुजुल कडफिसेस**
- ◆ कुषाण वंश का प्रसिद्ध शासक था - **कनिष्क**
- ◆ कनिष्क की पहली राजधानी थी - **पुरुषपुर**
- ◆ कनिष्क/कुषाणों की दूसरी राजधानी - **मथुरा**
- ◆ कनिष्क अनुयायी था - **महायान संप्रदाय का**
- ◆ कनिष्क के दरबारी में थे- **नागार्जुन, अश्वघोष, वसुमित्र, चरक (चरक संहिता)**
- ◆ आर्युवेद के जनक माना जाता है- **चरक को**
- ◆ 'भारत का आइंस्टीन' कहते हैं- **नागार्जुन को**
- ◆ 'शून्यवाद' के प्रवर्तक थे - **नागार्जुन**
- ◆ 'सिल्क मार्ग' को आरंभ कराया - **कनिष्क ने**
- ◆ शक संवत् चलवाया - **कनिष्क ने (78 ई. में)**
- ◆ राष्ट्रीय कैलेंडर आधारित है- **शकसंवत् पर**
- ◆ राष्ट्रीय कैलेंडर का प्रथम माह होता है - **चैत**
- ◆ विक्रम संवत् की शुरुआत - **58 ई. पू.**
- ◆ बुद्ध की मूर्ति का निर्माण - **कुषाण काल में**
- ◆ बाल विवाह प्रथा आरंभ - **कुषाण काल में**
- ◆ गांधार शैली फली-फूली - **कुषाण काल में**
- ◆ शुद्ध सोने के सिक्के चलवाएँ - **कुषाणों ने**
- ◆ प्रचीनतम सिक्का कहलाता है - **आहत सिक्के**
- ◆ कुषाण वंश का अंतिम शासक था - **वासुदेव**
- ◆ गुप्त वंश का संस्थापक था - **श्री गुप्त**
- ◆ गुप्त वंश का वास्तविक संस्थापक - **चंद्रगुप्त-I**
- ◆ गुप्त संवत् चलाया-**चंद्रगुप्त-I ने 319 ई. में**

- ◆ चंद्रगुप्त प्रथम का उत्तराधिकारी - **समुद्रगुप्त**
- ◆ सिक्कों पर धीणा बजाते स्थित है - **समुद्रगुप्त**
- ◆ समुद्रगुप्त को 'भारत का नेपोलियन' कहा था - **वीसेंट आर्थर स्मिथ ने**
- ◆ समुद्रगुप्त का दरबारी कवि था - **हरिवेण**
- ◆ प्रयाग प्रशस्ति लेख (रचना-हरिवेण) से जानकारी मिलती है - **समुद्रगुप्त के संबंध में**
- ◆ समुद्रगुप्त का उत्तराधिकारी हुआ- **चंद्रगुप्त-II**
- ◆ चंद्रगुप्त-II (विक्रमादित्य) ने दूसरी राजधानी (प्रथम-पाटलिपुत्र) बनाया था- **उज्जैन को**
- ◆ आर्यभट्ट, कालिदास, धनवंतरी, वराहमिहिर, सुश्रुत, क्षणपक थे - **चंद्रगुप्त-II के दरबार में**
- ◆ वराहमिहिर/आर्यभट्ट-**खगोलविद्/गणितज्ञ**
- ◆ दशमलव प्रणाली का विकास- **आर्यभट्ट ने**
- ◆ मेघदूत, कुमारसंभव रचना है- **कालिदास की**
- ◆ 'शल्य चिकित्सा के जनक' थे - **सुश्रुत**
- ◆ 'गीत गोविन्द' के रचयिता - **जयदेव**
- ◆ 'पंचतंत्र' के लेखक - **विष्णु शर्मा**
- ◆ प्रसिद्ध चीनी बौद्ध यात्री फाहयान आया था - **चंद्रगुप्त द्वितीय के काल में (5वीं शताब्दी)**
- ◆ सर्वाधिक स्वर्ण मुद्राएँ जारी - **गुप्त काल में**
- ◆ चाँदी का सिक्का को सर्वप्रथम चलवाया था- **चंद्रगुप्त-II ने शकों पर विजय के उपलक्ष्य में**
- ◆ महरीली में स्थित राजाचन्द्र के 'लौह स्तम्भ' को बनवाया था - **चंद्रगुप्त द्वितीय ने**
- ◆ चंद्रगुप्त द्वितीय का उत्तराधिकारी- **कुमारगुप्त**
- ◆ नालन्दा विश्वविद्यालय की स्थापना- **कुमारगुप्त**
- ◆ नालन्दा विश्वविद्यालय को ध्वस्त किया था - **बख्तियार खिलजी (गोरी का सेनापति) ने**
- ◆ कुमारगुप्त प्रथम का उत्तराधिकारी- **स्कंदगुप्त**
- ◆ हूणों का आक्रमण हुआ - **स्कंदगुप्त के समय**
- ◆ सुदर्शन झील का पुनरुद्धार - **स्कंदगुप्त ने**
- ◆ हूणों को पराजित किया था - **स्कंदगुप्त ने**
- ◆ गुप्त वंश का अंतिम शासक था- **विष्णुगुप्त**
- ◆ गुप्तकाल की राजकीय भाषा थी - **संस्कृत**
- ◆ गुप्तकाल में भूमि राजस्व दर - **उपज का 1/6**
- ◆ प्राचीन भारत का 'स्वर्ण युग' - **गुप्तकाल**
- ◆ मंदिर बनाने की कला का जन्म - **गुप्तकाल**
- ◆ गुप्तकालीन रजत मुद्राएँ कहलाती थी - **रूपक**
- ◆ गुप्तकालीन स्वर्ण मुद्राएँ कहलाती थी - **दीनार**
- ◆ पुष्यभूति/वर्द्धन वंश का संस्थापक - **पुष्यभूति (वास्तविक संस्थापक-प्रभाकर वर्द्धन)**
- ◆ प्रभाकर वर्द्धन का पुत्र- **राज्यवर्द्धन व हर्षवर्द्धन**
- ◆ हर्षवर्द्धन (अन्य नाम-शिलादित्य) ने अपनी राजधानी थानेश्वर से स्थापित किया - **कन्नौज**
- ◆ भूमि देने की सामंती प्रथा का प्रारंभ - **हर्षवर्द्धन**
- ◆ चीनी यात्री ह्वेनसांग भारत आया था- **हर्षवर्द्धन के शासनकाल में (606-647 ई. में)**
- ◆ ह्वेनसांग द्वारा लिखित पुस्तक है- **सी-यू-की**
- ◆ यात्रियों में राजकुमार, नीति का पंडित और शाक्य मुनि किसे कहा जाता था - **ह्वेनसांग को**
- ◆ हर्षवर्द्धन का दरबारी कवि था - **बाणभट्ट**



- ◆ हर्षचरित एवं कादम्बरी के रचयिता - बाणभट्ट
- ◆ हर्षवर्धन प्रत्येक पाँच वर्ष बाद धार्मिक सम्मेलन आयोजित करता था - प्रयाग में
- ◆ हर्षवर्धन के काल में भू-राजस्व दर था - 1/6
- ◆ पुलकेशिन द्वितीय ने हर्षवर्धन को 634 ई. में पराजित किया था - नर्मदा नदी के तट पर
- ◆ भारत का अंतिम हिन्दु सम्राट था - हर्षवर्धन
- ◆ संगम युग का महान शासक - करिकाल
- ◆ संगम का अर्थ है - कवियों की गोष्ठी/सभा
- ◆ प्रथम एवं तृतीय संगम हुआ था - मद्राई में
- ◆ द्वितीय संगम हुआ - कपाटपुरम (अलवै) में
- ◆ प्रथम संगम के अध्यक्ष थे - अगस्त्य ऋषि
- ◆ द्वितीय संगम के अध्यक्ष थे - अगस्त्य ऋषि
- ◆ तृतीय संगम के अध्यक्ष थे - नक्कीर
- ◆ तीनों संगमों का आयोजन किया गया था - पांड्य राजाओं के संरक्षण में
- ◆ संगम साहित्य से किन तमिल प्रदेशों का विवरण प्राप्त होता है - चोल, चेर और पांड्य
- ◆ चोल राज्य का प्रमुख शासक - करिकाल
- ◆ पुरी के 'जगन्नाथ मंदिर' (नागर शैली) का निर्माण करवाया था - अनन्तवर्मन चोडगंग ने
- ◆ भुवनेश्वर में 'लिंगराज मंदिर' का निर्माण करवाया - सोमवंशी राजा ययाति केसरी ने
- ◆ कोणार्क के सूर्य मंदिर (ब्लैक पैगोडा) को बनवाया - नरसिंह देववर्मन-1 ने (13वीं सदी)
- ◆ तिरुपति मंदिर है - आंध्र प्रदेश में
- ◆ अंकोरेवाट का विष्णु मंदिर है - कंबोडिया में
- ◆ नटराज मंदिर स्थित है - चेन्नई में
- ◆ मीनाक्षी मंदिर स्थित है - मद्राई में
- ◆ पाण्ड्य वंश की राजधानी थी - मद्राई
- ◆ पल्लव वंश का संस्थापक था - सिंहविष्णु
- ◆ पल्लवों की राजधानी - कांची (तमिलनाडु)
- ◆ महाबलिपुरम् के रथ मंदिरों (सप्त पैगोडा) का निर्माण - पल्लव शासक नरसिंह वर्मन-1 ने
- ◆ कांची के कैलाश मंदिर तथा महाबलिपुरम् के तट मंदिर का निर्माण करवाया - नरसिंहवर्मन-1
- ◆ पल्लव वंश का अंतिम शासक - अपराजित
- ◆ चालुक्यों की तीन शाखाएँ थी - कल्याणी चालुक्य, वातापी चालुक्य, वेंगी चालुक्य
- ◆ वातापी के चालुक्य का संस्थापक - जयसिंह
- ◆ वातापी/बादामी के चालुक्य (राजधानी-वातापी) का महान शासक था - पुलकेशिन-1
- ◆ पुलकेशिन-1 से संबंधित जानकारी मिलती है - रविकीर्ति के ऐहोल (कर्नाटक) अभिलेख से
- ◆ हर्षवर्धन को हराया था - पुलकेशिन-1 ने
- ◆ पुलकेशिन-1 को हराया - नरसिंह वर्मन-1 ने
- ◆ वातापी/बादामी के चालुक्य वंश का अंतिम शासक था - कीर्ति वर्मन-1
- ◆ वेंगी के चालुक्य का संस्थापक - विष्णुवर्धन
- ◆ विष्णुवर्धन की राजधानी - वेंगी (आंध्र प्रदेश)
- ◆ होयसल वंश का संस्थापक - विष्णुवर्धन
- ◆ होयसल वंश की राजधानी थी - द्वारसमुद्र
- ◆ द्वारसमुद्र का अन्य नाम - हलेबिड (कर्नाटक)
- ◆ होयसल वंश अंतिम शासक - बल

- ◆ राष्ट्रकूट वंश का संस्थापक था - दन्तिदुर्ग
- ◆ राष्ट्रकूट वंश की राजधानी थी - मान्यखेट
- ◆ एलोरा व एलिफेंटा का निर्माण - राष्ट्रकूटों ने
- ◆ अजन्ता एवं एलोरा गुफाएँ हैं - महाराष्ट्र में
- ◆ बौद्ध गुफा मंदिरों के लिए प्रसिद्ध हैं - अजन्ता
- ◆ बौद्ध, हिंदू एवं जैन धर्म से संबंधित गुफाएँ हैं - एलोरा में (सर्वाधिक-हिन्दु गुफाएँ)
- ◆ एलोरा के कैलाश मंदिर (द्रविड़ शैली) का निर्माण करवाया - राष्ट्रकूट शासक कृष्ण-1 ने
- ◆ 'त्रिमूर्ति' शिव के लिए विख्यात गुफा - एलीफेंटा
- ◆ राष्ट्रकूट वंश का अंतिम शासक - कृष्ण-1
- ◆ राष्ट्रकूटों के पतन के बाद कल्याणी के चालुक्य वंश की स्थापना की - तैलप द्वितीय ने
- ◆ तैलप-1 ने अपनी राजधानी बनाया - मान्यखेट
- ◆ कल्याणी के चालुक्य वंश का सबसे प्रतापी शासक था - विक्रमादित्य-VI
- ◆ विज्ञानेश्वर थे - विक्रमादित्य-VI के दरबार में
- ◆ हिन्दु विधि ग्रंथ 'मिताक्षरा' की रचना किसने की थी - विज्ञानेश्वर ने
- ◆ चोल वंश का संस्थापक - विजयालय
- ◆ विजयालय की राजधानी - तंजौर/तंजावूर
- ◆ चोल वंश का प्रमुख शासक - राजराज प्रथम
- ◆ तंजौर के वृहदेश्वर (राजराजेश्वर) के शिव मंदिर को बनवाया - राजराज-1 ने
- ◆ श्रीलंका पर विजय प्राप्त की - राजराज-1 ने
- ◆ चोलकाल में भूमि कर था - उपज का 1/3
- ◆ चोलकाल में विष्णु के उपासक - अलवार
- ◆ चोलकाल में शिव के उपासक - नयनार
- ◆ नटराज की कांस्य मूर्तियाँ हैं - चोल काल की
- ◆ नौ सैनिक शक्ति के लिए प्रसिद्ध था - चोल
- ◆ मंदिर निर्माण कला में विमान शैली का प्रचलन हुआ था - चोल वंश के शासन में
- ◆ स्थानीय स्वशासन विशेषता थी - चोल वंश का
- ◆ 'गौकोडचोल' कहा जाता है - राजेन्द्र-1 को
- ◆ चोल वंश का अंतिम शासक - राजेन्द्र-1
- ◆ पालवंश का संस्थापक - गोपाल
- ◆ पालवंश की राजधानी - मुंगेर
- ◆ पालवंश का प्रतापी शासक - धर्मपाल
- ◆ विक्रमशीला विश्वविद्यालय (भागलपुर) की स्थापना - धर्मपाल (770-810 ई.) ने
- ◆ पालवंश का अंतिम शासक - मदनपाल
- ◆ सेन वंश की स्थापना - सामंत सेन ने
- ◆ सेन वंश की राजधानी - नदिया (लखनौती)
- ◆ 'हिन्दी' में अपना अभिलेख उत्कीर्ण करानेवाला प्रथम राजवंश था - सेन वंश
- ◆ सेन वंश का अंतिम शासक - लक्ष्मणसेन
- ◆ बंगाल का अंतिम हिन्दू शासक - लक्ष्मणसेन
- ◆ लक्ष्मणसेन के दरबार के विद्वान थे - जयदेव
- ◆ लोहार वंश का संस्थापक था - संग्रामराज
- ◆ हर्ष शासक था - लोहार वंश का
- ◆ हर्ष का दरबारी कवि था - कल्हण
- ◆ 'कश्मीर के इतिहास' के बारे में जानकारी मिलती है - कल्हण रचित 'राजतरंगिणी' से
- ◆ लोहार वंश का अंतिम शासक - जयसिंह

- ◆ गुर्जर प्रतिहार वंश का संस्थापक - नागभट्ट-1
- ◆ दिल्ली नगर की स्थापना की थी - तोमर नरेश अनंगपाल ने ग्यारहवीं सदी में
- ◆ गुर्जर प्रतिहार वंश का अंतिम शासक - यशपाल
- ◆ गहड़वाल वंश का संस्थापक था - चन्द्रदेव
- ◆ गहड़वाल वंश का अंतिम शासक - जयचंद
- ◆ 1194 ई. के 'चंदावर के युद्ध' में जयचंद को मार डाला था - मोहम्मद गोरी ने
- ◆ चौहान वंश का संस्थापक - वासुदेव
- ◆ अजमेर नगर की स्थापना एवं अपनी राजधानी बनाया था - चौहान वंश के अजयराज-1 ने
- ◆ चौहान वंश का अंतिम शासक - पृथ्वीराज-1
- ◆ (अन्य नाम-पृथ्वीराज चौहान/राय पिथौरा)
- ◆ पृथ्वीराज चौहान का राजकवि - चन्दबरदाई
- ◆ 'पृथ्वीराजरासो' रचना है - चन्दबरदाई का
- ◆ पृथ्वीराज चौहान ने मोहम्मद गोरी को हराया था - 1191 ई. में तराईन के प्रथम युद्ध में
- ◆ मोहम्मद गोरी ने पृथ्वीराज चौहान को हराया था - 1192 में तराईन के द्वितीय युद्ध में
- ◆ परमार वंश का संस्थापक - उपेन्द्रराज
- ◆ परमार वंश का प्रमुख शासक - राजा भोज
- ◆ 'कविराज' उपाधि से विभूषित - राजा भोज
- ◆ चंदेल वंश का संस्थापक - ननुक (831 ई.)
- ◆ चंदेलों की प्रारंभिक राजधानी थी - कालिंजर
- ◆ चंदेल वंश के प्रमुख राजा हुए - राजा धंग
- ◆ धंग ने अपनी राजधानी बनाया - खजुराहो
- ◆ कंदरिया महादेव मंदिर का निर्माण - धंग ने
- ◆ खजुराहो मंदिर का निर्माण - चंदेलों/धंग ने
- ◆ खजुराहो का मंदिर बना है - नागर शैली में
- ◆ खजुराहो का मंदिर संबंधित है - जैन धर्म से
- ◆ चंदेल वंश का प्रथम स्वतंत्र एवं सबसे प्रतापी शासक था - यशोवर्मन
- ◆ मिहिरकुल पराजित हुआ था - यशोवर्मन द्वारा
- ◆ चंदेल वंश का आखिरी शासक था - परमल
- ◆ आल्हा एवं उदल नामक दो बहादुर सेनानायक थे - परमल (परमर्दिदेव) के दरबार में
- ◆ सोलंकी वंश का संस्थापक - मूलराज प्रथम
- ◆ सोलंकी वंश की राजधानी थी - अन्हिलवाड़
- ◆ सोलंकी वंश के प्रमुख शासक हुए - भीम प्रथम, जयसिंह सिद्धराज, भीम द्वितीय
- ◆ महमूद गज़नी ने सोमनाथ मंदिर पर आक्रमण किया था - भीम प्रथम के शासनकाल में
- ◆ दिलवाड़ा के प्रसिद्ध जैन मंदिर को बनवाया - भीम प्रथम के सामंत 'विमल शाह' ने
- ◆ सोलंकी वंश का अंतिम शासक - भीम द्वितीय, जिसने 1178 में मोहम्मद गोरी को हराया था
- ◆ सिसोदिया वंश के प्रमुख शासक थे - महाराणा प्रताप, राणा कुंभा, राणा संग्राम सिंह
- ◆ मेवाड़ पर शासन था - सिसोदिया वंश का
- ◆ मेवाड़ की राजधानी चित्तौड़ में 'विजय स्तंभ' का निर्माण करवाया - राणा कुंभा ने 1448 में
- ◆ महाराणा सांगा ने इब्राहिम लोदी को पराजित किया था - खातोली के युद्ध में 1518 ई. में



## मध्यकालीन भारत

- ♦ अरबों ने भारत पर पहला सफल आक्रमण किया - मुहम्मद-बिन-कासिम के नेतृत्व में
- ♦ भारत पर आक्रमण करने वाला प्रथम मुस्लिम था - मुहम्मद-बिन-कासिम (712 ई. में)
- ♦ अरबों ने सिंध पर विजय पायी - 712 ई. में
- ♦ जजिया-कर का प्रचलन किया था - मुहम्मद-बिन-कासिम (अरबी) ने
- ♦ भारत पर प्रथम तुर्क आक्रमणकारी था - महमूद गज़नी (उद्देश्य-धन लूटना)
- ♦ महमूद गज़नी ने भारत पर हमला किया था - 17 बार (पहला आक्रमण 1000 ई. में)
- ♦ महमूद गज़नी द्वारा सोमनाथ मंदिर (सौराष्ट्र) को लुटा गया - 1025 में भीम-1 के समय
- ♦ महमूद गज़नी का अंतिम भारतीय आक्रमण (1027 ई. में) किसके विरुद्ध था - जाटों के
- ♦ 'सुल्तान' उपाधि धारण करने वाला प्रथम शासक था - महमूद गज़नी
- ♦ महमूद गज़नी के दरबार में थे - फिरोज़ी (कवि), उल्बी (इतिहासकार)
- ♦ 'किताब-उल-यामिनी' तथा 'तारीख-ए-यामिनी' पुस्तक की रचना की थी - उल्बी ने
- ♦ महमूद गज़नी की मृत्यु हुई थी - 1030 में
- ♦ 'शाहनामा' के लेखक - फिरोज़ी (फारसी)
- ♦ अलबरूनी (अबूरेहान) भारत में आया था - महमूद गज़नी के साथ (11वीं सदी में)
- ♦ पुराणों का अध्ययन करने वाला प्रथम मुसलमान - अलबरूनी (पुस्तक : किताब-उल-हिंद)
- ♦ भारत में मुस्लिम साम्राज्य का संस्थापक था - मोहम्मद गोरी
- ♦ मोहम्मद गोरी ने भारत पर प्रथम आक्रमण किया और जीता - 1175 ई. में सुल्तान पर
- ♦ मोहम्मद गोरी का भारत में पहली पराजय हुई थी - 1178 में भीम-II ने पराजित किया था
- ♦ 1191 ई. की तराईन के प्रथम युद्ध में पृथ्वीराज चौहान ने हराया था - मोहम्मद गोरी को
- ♦ 1192 ई. की तराईन के द्वितीय युद्ध में मोहम्मद गोरी ने हराया था - पृथ्वीराज चौहान को
- ♦ 1194 के चंदावर युद्ध में मोहम्मद गोरी ने हराया - गहड़वाल (कन्नौज) राजा जयचंद को
- ♦ मोहम्मद गोरी की हत्या - 15 मार्च 1206 को खोखर नामक जाट उपसमूह के लोगों ने
- ♦ दिल्ली सल्तनत का संस्थापक था - कुतुबुद्दीन ऐबक (मोहम्मद गोरी का दास था)
- ♦ दिल्ली सल्तनत का वास्तविक संस्थापक था - इल्तुतमिश (ऐबक का गुलाम था)
- ♦ गुलाम/दास/ममलूक वंश की स्थापना की थी - 1206 ई. कुतुबुद्दीन ऐबक ने
- ♦ दिल्ली सल्तनत की प्रथम राजधानी - लाहौर
- ♦ लाहौर से राजधानी दिल्ली लाया - इल्तुतमिश ने
- ♦ गुलामों का गुलाम कहा गया - इल्तुतमिश को
- ♦ कुतुबमीनार का निर्माण कार्य पूरा (शुरू-कुतुबुद्दीन ऐबक) करवाया था - इल्तुतमिश ने
- ♦ कुतुबमीनार का निर्माण किया गया था - खजियार काकी की स्मृति में

- ♦ 'लाख बख्श' कहलाता था - कुतुबुद्दीन ऐबक
- ♦ 'द्विदिन का झोपड़ा' नामक मस्जिद का निर्माण करवाया था - ऐबक ने अजमेर में
- ♦ ख्वाजा मुईद्दीन चिश्ती की दरगाह - अजमेर में
- ♦ गोरी ने प्रथम अक्ता प्रदान किया - ऐबक को
- ♦ कुतुबुद्दीन ऐबक की मृत्यु - 1210 ई. में चौगन (पोलो) खेलते समय घोड़ा से गिरकर
- ♦ कुतुबुद्दीन ऐबक का मकबरा है - लाहौर में
- ♦ कुतुबुद्दीन ऐबक का उत्तराधिकारी - आरामशाह
- ♦ गुलाम वंश का वास्तविक संस्थापक - इल्तुतमिश
- ♦ 'इक्ता' प्रथा की शुरुआत - इल्तुतमिश ने
- ♦ तुर्कान-ए-चिहलगानी का गठन - इल्तुतमिश
- ♦ शुद्ध अरबी सिक्के चलाए - इल्तुतमिश ने
- ♦ चाँदी का 'टंका' और ताँबे का 'जीतल' नामक सिक्का चलाया था - इल्तुतमिश ने
- ♦ मंगोल शासक चंगेज खाँ (तेमुचिन) ने भारत पर आक्रमण किया - इल्तुतमिश के समय
- ♦ इल्तुतमिश ने बिहार में अपना प्रथम सुबेदार बनाया - मलिक जानी को एवाज के स्थान पर
- ♦ भारत की प्रथम मुस्लिम महिला शासिका - रजिया सुल्तान (इल्तुतमिश की पुत्री)
- ♦ रजिया ने विवाह किया था - अल्तुनिया से
- ♦ रजिया की हत्या - 1240 में कैथल में डाकू ने
- ♦ बलबन का पूरा नाम था - गयासुद्दीन बलबन
- ♦ बलबन का वास्तविक नाम था - बहाउद्दीन
- ♦ बलबन ने अपनी पुत्री का विवाह किया था - 1249 ई. में नासिरुद्दीन महमूद से
- ♦ टोपी सीकर अपना जीवन निर्वाह करने वाला सुल्तान था - नासिरुद्दीन महमूद
- ♦ बलबन को 'उलुग खान' की उपाधि प्रदान किया था - नासिरुद्दीन महमूद ने
- ♦ लौह एवं रक्त की नीति अपनाई - बलबन ने
- ♦ फारसी त्योहार 'नौरोज' को आरंभ - बलबन ने
- ♦ 'दीवान-ए-अर्ज' की स्थापना - बलबन ने
- ♦ सिजदा, पैबोस की प्रथा लागू किया - बलबन
- ♦ अमीर खुसरो दरबारी कवि थे - बलबन का
- ♦ 'भारत का तोता' कहा जाता है - अमीर खुसरो
- ♦ 'सबक-ए-हिन्दी' अथवा 'हिन्दी खड़ी बोली का जनक' माना जाता है - अमीर खुसरो को
- ♦ राजत्व सिद्धांत का पहला प्रतिपादक - बलबन
- ♦ गुलाम वंश का अंतिम शासक - शम्सुद्दीन कैमूरस
- ♦ खिलजी वंश (राजधानी-किलोखरी) की स्थापना - जलालुद्दीन फिरोज खिलजी ने
- ♦ दक्षिण भारत पर प्रथम आक्रमण हुआ था - जलालुद्दीन फिरोज खिलजी के शासन में
- ♦ फिरोज खिलजी की हत्या - अलाउद्दीन खिलजी ने (बचपन का नाम-अली तथा गुरशासप)
- ♦ अलाउद्दीन खिलजी का सेनापति-मलिक काफूर
- ♦ 'हजार दीनारी' कहलाता था - मलिक काफूर
- ♦ सिकन्दर-ए-सानी अर्थात् द्वितीय सिकन्दर की उपाधि धारण की थी - अलाउद्दीन खिलजी ने

- ♦ भूमि की पैमाईश कराकर लगान वसूली आरंभ करने वाला पहला सुल्तान - अलाउद्दीन खिलजी
- ♦ घोड़ा दाने तथा सैनिकों की हुलिया लिखने की प्रथा आरंभ किया - अलाउद्दीन खिलजी ने
- ♦ बाजार नियंत्रण प्रणाली (दीवान-ए-रियासत) लागू किया था - अलाउद्दीन खिलजी ने
- ♦ गुप्तचर विभाग को संगठित किया - अलाउद्दीन
- ♦ 'अलाई दरवाजा' और 'हौज-ए-खास' का निर्माण करवाया था - अलाउद्दीन खिलजी ने
- ♦ इक्ता प्रथा को समाप्त किया - अलाउद्दीन खिलजी
- ♦ रानी पद्मिनी (पद्मावती) थी - चित्तौड़गढ़ की रानी और राजा रत्नसिंह की पत्नी
- ♦ 'पद्मावत' महाकाव्य की रचना की थी - मल्लिक मुहम्मद जायसी ने 1540 में
- ♦ तुगलक वंश का संस्थापक था - गयासुद्दीन तुगलक या गाजी मलिक
- ♦ सिंचाई के लिए नहरों का निर्माण करवाने वाला पहला शासक था - गयासुद्दीन तुगलक
- ♦ तुगलकाबाद नगर का निर्माण तथा गाजी उपाधि धारण करने वाला प्रथम सुल्तान - गयासुद्दीन
- ♦ 'तुगलकनामा' के लेखक - अमीर खुसरो
- ♦ अमीर खुसरो के गुरु - निजामुद्दीन औलिया
- ♦ मुहम्मद-बिन-तुगलक का मूल नाम - जूना खाँ
- ♦ सनकी/पागल सुल्तान - मुहम्मद-बिन-तुगलक
- ♦ भारत में सर्वप्रथम सांकेतिक मुद्रा का प्रचलन किया था - मुहम्मद बिन तुगलक ने
- ♦ कृषि विकास के लिए 'दीवाने-अमीर-ए-कोही' विभाग की स्थापना - मुहम्मद तुगलक ने
- ♦ अपनी राजधानी दिल्ली से दौलताबाद (देवगिर) ले गया था - मुहम्मद-बिन-तुगलक
- ♦ इब्नबतुता (मोरक्को यात्री) भारत आया था - मुहम्मद बिन तुगलक के समय 1333 ई. में
- ♦ इब्नबतुता ने अपनी यात्रा वृत्तंत लिखा है - किताब-उल-रहेला ग्रंथ में (अरबी भाषा में)
- ♦ विजयनगर एवं बहमनी राज्य की स्थापना हुई - मुहम्मद-बिन-तुगलक के शासनकाल में
- ♦ मुहम्मद-बिन-तुगलक का उत्तराधिकारी बना - फिरोज तुगलक (चचेरा भाई)
- ♦ ब्राह्मणों पर जजिया कर - फिरोज तुगलक
- ♦ दीवान-ए-खैरत की स्थापना - फिरोज तुगलक
- ♦ सिंचाई कर 'हक्क-ए-शर्ब' लागू करने वाला दिल्ली का पहला सुल्तान - फिरोज तुगलक
- ♦ फिरोज तुगलक द्वारा स्थापित 'दार-उल-शाफा' था - एक खैराती अस्पताल
- ♦ जौनपुर नगर को बसाया - फिरोजशाह तुगलक
- ♦ 'भारत का सिराज' कहलाता है - जौनपुर
- ♦ तुगलक वंश का अंतिम शासक - नासिरुद्दीन महमूद (इसी के समय 1398 में मंगोल शासक तैमूर ने भारत पर आक्रमण किया)
- ♦ सैय्यद वंश का संस्थापक था - खिज़्र खाँ
- ♦ सैय्यद वंश का अंतिम शासक था - आलमशाह
- ♦ लोदी वंश की स्थापना - बहलोल लोदी ने
- ♦ दिल्ली की गद्दी पर बैठने वाला पहला अफगान शासक था - बहलोल लोदी



- ♦ बहलोल लोदी के मकबरा को बनवाया था - **सिकन्दर लोदी** (बहलोल लोदी का पुत्र) ने
- ♦ कबीर समकालीन थे - **सिकन्दर लोदी** के
- ♦ आगरा शहर की स्थापना करवाया था - **सिकन्दर लोदी** ने 1504 ई० में
- ♦ अनाज से कर समाप्त किया - **सिकन्दर लोदी**
- ♦ दो गुम्बदों का प्रयोग किया गया था - **सिकन्दर लोदी** के मकबरा में
- ♦ दिल्ली सल्तनत की राजभाषा थी - **फारसी**
- ♦ दिल्ली सल्तनत का अंतिम शासक था - **इब्राहिम लोदी** (**सिकन्दर लोदी** का पुत्र)
- ♦ युद्ध भूमि में मरने वाला पहला सुल्तान था - **इब्राहिम लोदी** (पानीपत के प्रथम युद्ध में)
- ♦ विजयनगर की स्थापना - **हरिहर और बुक्का** नामक दो भाईयों ने, 1336 ई. में
- ♦ विजयनगर की प्रथम राजधानी थी - **हम्पी**
- ♦ विजयनगर की दूसरी राजधानी - **पेनुकोण्डा**
- ♦ हम्पी अवशेष है- **विजयनगर साम्राज्य** का
- ♦ हम्पी स्थित है - **कर्नाटक** के **बेल्लारी जिले** में **तुंगभद्रा नदी** के किनारे
- ♦ विरूपाक्ष मंदिर है - **हम्पी** (**कर्नाटक**) में
- ♦ तालीकोटा का युद्ध हुआ- 23 जनवरी, 1565 को जिसमें **विजयनगर** पराजित हुई थी
- ♦ संगम वंश की स्थापना-**हरिहर और बुक्का** ने
- ♦ इटली का यात्री **निकोलो कॉन्टी** **विजयनगर** की यात्रा पर आया- **देवराय-॥** के शासनकाल में
- ♦ संगम वंश का प्रतापी राजा - **देवराय-॥**
- ♦ संगम वंश का अंतिम शासक- **विरूपाक्ष-॥**
- ♦ फारसी यात्री 'अब्दुर्रज्जाक' **विजयनगर** आया था - **देवराय-॥** के शासनकाल में
- ♦ तुलुव वंश का महान शासक- **कृष्णदेव राय**
- ♦ कृष्णदेव राय के दरबार में 'अष्टदिग्गज' थे - **तेलुगू** के आठ विद्वान
- ♦ तेनालीराम थे - **कृष्णदेव राय** के दरबार में
- ♦ 'आंध्रभोज' कहा जाता था-**कृष्णदेव राय** को
- ♦ विट्ठलस्वामी मंदिर (हम्पी) तथा हजार मंदिर (विजयनगर) को बनवाया -**कृष्णदेव राय** ने
- ♦ पुर्तगाली यात्री **डोमिंगो पायस** तथा **बारबोसा** किसके शासनकाल में आया- **कृष्णदेव राय**
- ♦ कृष्णदेव राय ने गोलकुंडा का युद्ध लड़ा था - **कुली कुतुबशाह** के साथ (पराजित)
- ♦ गोलकुण्डा (हैदराबाद, तेलंगाना) किला को बनवाया -**काकतीय राजवंश** ने 13वीं सदी में
- ♦ हैदराबाद स्थित चारमीनार को बनवाया था - **कुली कुतुबशाह** ने (1591 में)
- ♦ गोलकुण्डा की संधि हुई थी - 1663 ई० में
- ♦ पुर्तगाली नृनिज आया- **अच्युतराय** के समय
- ♦ तुलुव वंश का अंतिम शासक - **सदाशिव**
- ♦ बहमनी राज्य की स्थापना - 1347 ई. में **हसनगंगू** (अलाउद्दीन हसन बहमन शाह) ने
- ♦ बहमनी साम्राज्य की राजधानी थी- **गुलबर्गा**
- ♦ बहमनी वंश का अंतिम शासक-**कलीमुल्लाह**
- ♦ 'कश्मीर का अकबर' कहा जाता है - **जैन-उल-आबदीन** को

- ♦ 'राजतरंगिनी' का फारसी में अनुवाद करवाया - **जैन-उल-आबदीन** ने
- ♦ चैतन्य महाप्रभु का जन्म -**बंगाल** के **नदिया** में
- ♦ 'अद्वैतवाद' के संस्थापक - **शंकराचार्य**
- ♦ 'द्वैतवाद' के संस्थापक - **माध्वाचार्य**
- ♦ 'विशिष्टाद्वैत' के संस्थापक - **निम्बार्काचार्य**
- ♦ 'शुद्ध द्वैतवाद' का संस्थापक- **वल्लभाचार्य**
- ♦ मुगल साम्राज्य का संस्थापक - **बाबर**
- ♦ मुगल शासकों का क्रम- **बाबर, हुमायूँ, अकबर, जहाँगीर, शाहजहाँ, औरंगजेब, बहादुरशाह**
- ♦ बाबर का जन्म -24 फरवरी 1483 (फरगना)
- ♦ बाबर के पिता का नाम - **उमर शेख मिर्जा**
- ♦ बाबर का पूरा नाम था - **जहीरुद्दीन बाबर**
- ♦ बाबर की मृत्यु - 27 दिसम्बर, 1530 को
- ♦ बाबर का कब्र है - **काबुल** में
- ♦ बाबर को भारत पर आक्रमण के लिए निर्मंत्रण भेजा - **दौलत खाँ व आलम खाँ लोदी** ने
- ♦ पानीपत के प्रथम युद्ध (21 अप्रैल, 1526) में बाबर ने पराजित किया- **इब्राहिम लोदी** को (जीत का कारण-**तोपखाना/सैन्य कुशलता**)
- ♦ बाबर ने प्रथम बार तोप का प्रयोग किया था - **बाजौरा एवं भेरा** के युद्ध में
- ♦ खानवा का युद्ध हुआ था - **बाबर और राणा सांगा** (पराजित) के बीच 17 मार्च, 1527 को
- ♦ बाबर ने 'गाजी' उपाधि ग्रहण किया - **खानवा के युद्ध के बाद**
- ♦ 1528 ई. के चंदेरी के युद्ध में बाबर ने पराजित किया था - **मेदनी राय** को
- ♦ बाबर के अपनी आत्मकथा 'बाबरनामा' की रचना किया था - **तुर्की भाषा** में
- ♦ 'बाबरनामा' का फारसी में अनुवाद किया था - **अब्दुल रहीम खान खाना** ने
- ♦ अयोध्या स्थित बाबरी मस्जिद का निर्माण कराया- **मीर बाकी** (बाबर का सेनानायक) ने
- ♦ बाबर का उत्तराधिकारी/पुत्र था - **हुमायूँ**
- ♦ हुमायूँ का पूरा नाम - **नासिरुद्दीन हुमायूँ**
- ♦ हुमायूँ की पत्नी - **हमीदा बानो बेगम**
- ♦ 'हुमायूँनामा' की रचना की - **गुलबदन बेगम** ने
- ♦ गुलबदन बेगम थी - **बाबर की पुत्री**
- ♦ ज्योतिष में विश्वास रखता था - **हुमायूँ**
- ♦ दीन पनाह नामक नगर बसाया - **हुमायूँ** ने
- ♦ सप्ताह के सातों दिन सात रंग के कपड़े पहनने के नियम बनाए थे - **हुमायूँ** ने
- ♦ हुमायूँ की मृत्यु हुई थी - **दीन पनाह पुस्तकालय के सीढ़ियों से गिरने के कारण**
- ♦ हुमायूँ का मकबरा है - **दिल्ली** में
- ♦ हुमायूँ के मकबरा का निर्माण - 1565 ई. में **हाजी बेगम** ने (**कारीगर-मीरक मिर्जा ग्यास**)
- ♦ चौसा के युद्ध (25 जून, 1539) में **शेरशाह** ने पराजित किया था - **हुमायूँ** को
- ♦ **शेरशाह** का बचपन/मूल नाम था- **फरीद खाँ**
- ♦ **शेरशाह** को 'शेर खाँ' की उपाधि दिया था - **द. बिहार के सुबेदार बंहार खाँ लोहानी** ने
- ♦ डाक प्रथा का प्रचलन किया - **शेरशाह** ने

- ♦ अपने नाम से खुतबा (प्रशंसा भाषण) पढ़वाया था - **शेरशाह** ने (**चौसा युद्ध के बाद**)
- ♦ बिलग्राम/कनौज के युद्ध (17 मई, 1540) में **शेरशाह** ने पराजित किया था - **हुमायूँ** को
- ♦ ग्रैंड ट्रंक रोड की मरम्मत करवाया- **शेरशाह**
- ♦ **शेरशाह** के काल में धू-राजस्व दर थी - **कुल उपज का 1/3**
- ♦ **शेरशाह सूरी** की मृत्यु हुई थी - **कालिंजर** में **तोप के गोले के विस्फोट से 1545 ई. में**
- ♦ **शुद्ध चाँदी** का सिक्का तथा रूपए का सिक्का ढलवाया गया - **शेरशाह सूरी** द्वारा
- ♦ मलिक मुहम्मद जायसी (रचना-'**बारहमासा**') समकालीन थे - **शेरशाह** के
- ♦ 'स्वप्नवासवदत्ता' की रचना की - **भास** ने
- ♦ **शेरशाह** का मकबरा स्थित है - **सासाराम** में
- ♦ **अकबर** (**जलालुद्दीन**) का जन्म - 15 अक्टूबर, 1542 को **अमरकोट (पाकिस्तान)** में
- ♦ **अकबर** की माँ का नाम था -**हमीदा बानू**
- ♦ **अकबर** का राज्याभिषेक 14 फरवरी, 1556 को हुआ था - **कलानौर में बैरम खाँ** द्वारा
- ♦ **अकबर** का राजस्व मंत्री था - **टोडरमल**
- ♦ **पानीपत** के द्वितीय युद्ध (5 नवम्बर, 1556) में **अकबर** ने पराजित किया था - **हेमू** को
- ♦ **पानीपत** की लड़ाई में मुगल सेना का नेतृत्व किया- **बैरम खाँ** (**अकबर का संरक्षक**) ने
- ♦ **अकबर** ने 'खान-ए-खाना' की उपाधि दिया था - **बैरम खाँ** को
- ♦ **अकबर** ने 'जड़ी कलम' तथा 'शीरी कलम' की उपाधि दी थी - **क्रमशः मुहम्मद हुसैन कश्मीरी तथा अब्दुस समद** को
- ♦ धर्मनिरपेक्ष दृष्टिकोण रखता था - **अकबर**
- ♦ **अकबर** ने राजनीतिक विजय की शुरुआत की - 1562 ई. में **मालवा विजय** से
- ♦ **बाज बहादुर** था- **मालवा का अंतिम सुल्तान**
- ♦ **अकबर** द्वारा चित्तौड़ पर विजय - 1567 में
- ♦ **हल्दी घाटी** के युद्ध (18 जून, 1576) में **अकबर** ने हराया था - **महाराणा प्रताप** को
- ♦ **हल्दी घाटी युद्ध** में **अकबर/महाराणा प्रताप** के सेना का सेनापति था - **मानसिंह/हकीम खान**
- ♦ **फतेहपुर सिकरी** के **बुलंद दरवाजा** को बनवाया था - **अकबर** ने 1572 ई० में (**गुजरात विजय के उपलक्ष्य में**)
- ♦ **अकबर** के दरबार में आने वाला पहला अंग्रेज - **रॉल्फ फिच**, 1588 में **हेक्टर जहाज** से
- ♦ मनसबदारी प्रथा लागू किया - **अकबर** ने
- ♦ **इबादत खाना** स्थापित किया था- **अकबर** ने
- ♦ **जब्ती प्रणाली** का प्रचलन किया- **अकबर** ने
- ♦ **अकबर** का राजकवि था - **फैजी**
- ♦ 'आइन-ए-अकबरी' के रचयिता-**अबुल फजल**
- ♦ **तुलसीदास** समकालीन थे - **अकबर** के
- ♦ **मीराबाई** समकालीन थी - **तुलसीदास** के
- ♦ **मीराबाई** का जन्म हुआ था - 1499 ई. में **मेड़ता (राजस्थान)** के **कुदकी ग्राम** में
- ♦ **मीराबाई** के गुरु थे- **रैदास** या **संत रविदास**



- ◆ 'पंचमहल' को बनवाया था - अकबर ने
- ◆ नवरत्न (विद्वान/कवि) संबंधित है - अकबर से
- ◆ 'दीन-ए-इलाही' या 'तौहीद-ए-इलाही' धर्म को अकबर ने शुरू किया - 1582 ई. में
- ◆ दीन-ए-इलाही के पुरोहित - अबुल फजल
- ◆ 'अकबरनामा' की रचना - अबुल फजल ने
- ◆ अबुल फजल की हत्या - वीर सिंह बुंदेला ने
- ◆ शेख सलीम चिश्ती समकालीन थे - अकबर के
- ◆ अकबर की मृत्यु - 1605 में अतिसार रोग से
- ◆ अकबर का मकबरा है - सिकंदरा (आगरा)
- ◆ अकबर का मकबरा बनवाया था - जहाँगीर ने
- ◆ तानसेन (मूल नाम-रामतनु पांडेय) प्रसिद्ध संगीतकार था - अकबर के दरबार में
- ◆ तानसेन का मकबरा स्थित है - ग्वालियर में
- ◆ तानसेन के प्रारंभिक गुरु थे - मुहम्मद गौस
- ◆ फैजी तथा बीरबल थे - अकबर के दरबार में
- ◆ बीरबल के बचपन का नाम था - महेश दास
- ◆ 'दास प्रथा' का अंत (1562 ई.), 'तीर्थ कर' को समाप्त (1563 ई.) किया - अकबर ने
- ◆ 'जजिया कर' को समाप्त (1564 ई.), 'मजहर' की घोषणा (1579 ई.) किया - अकबर ने
- ◆ जहाँगीर (अकबर पुत्र) का जन्म - 1569 में
- ◆ जहाँगीर के बचपन का नाम था - सलीम
- ◆ सलीम के शिक्षक थे - अब्दुरहीम खानखाना
- ◆ जहाँगीर की पत्नी थी - नूरजहाँ (मेहरुनिसा)
- ◆ नूरजहाँ का प्रथम विवाह - अली कुली बेग से
- ◆ नूरजहाँ के पिता थे - मिर्जा ग्यास बेग
- ◆ गुलाब से इत्र निकालने की विधि खोजी थी - अस्मत बेगम ने (नूरजहाँ की माँ)
- ◆ 'न्याय की जंजीर' स्थापित किया - जहाँगीर ने
- ◆ चित्तौड़ की संधि - जहाँगीर के समय 1615 में
- ◆ दु-अस्पा तथा सिंह-अस्पा प्रथा - जहाँगीर ने
- ◆ जहाँगीर का मकबरा - शाहदरा (लाहौर) में
- ◆ जहाँगीर का मकबरा बनवाया था - नूरजहाँ ने
- ◆ तंबाकू पर प्रतिबंध लगाया था - जहाँगीर ने
- ◆ भक्त तुकाराम समकालीन थे - जहाँगीर के
- ◆ उस्ताद मंसूर तथा अबुल हसन चित्रकार थे - जहाँगीर के समय (चित्रकला का स्वर्णकाल)
- ◆ पक्षियों का सबसे बड़ा चित्रकार - उस्ताद मंसूर
- ◆ मुगल/जहाँगीर के दरबार में आने वाला प्रथम अंग्रेज - विलियम हॉकिन्स (1608 में)
- ◆ जहाँगीर ने 'खान' उपाधि दिया - हॉकिन्स को
- ◆ 'थॉमस रो' भारत आया था - 1615 में
- ◆ थॉमस रो जहाँगीर के दरबार आया - 1616 में
- ◆ जहाँगीर के पुत्र का नाम था - शाहजहाँ
- ◆ शाहजहाँ (बचपन का नाम - खुर्रम) का जन्म - 5 जनवरी, 1592 ई. को लाहौर में
- ◆ शाहजहाँ की माता का नाम था - जगत गोसाई
- ◆ मुमताज महल (असली नाम - अर्जुमंद बानो बेगम) थी - शाहजहाँ की पत्नी
- ◆ 'आना' का सिक्का चलाया - शाहजहाँ ने
- ◆ ताजमहल का निर्माण करवाया - शाहजहाँ ने
- ◆ मुमताज महल की समृति में उसकी कब्र पर
- ◆ ताजमहल का निर्माण हुआ - 1632-1652 ई.

- ◆ ताजमहल का निर्माण करने वाला मुख्य स्थापत्य कलाकार था - उस्ताद अहमद लाहौरी
- ◆ ताजमहल मकबरे की योजना तैयार किया था - उस्ताद ईशा खाँ (पर्सिया का) ने
- ◆ उपनिषदों का फारसी अनुवाद 'सिर्-ए-अकबर' (महान रहस्य) नाम से करवाया था - दारा शिकोह (शाहजहाँ का पुत्र) ने
- ◆ 'स्थापत्य कला का स्वर्ण युग' कहा जाता है - शाहजहाँ के शासनकाल को
- ◆ दिल्ली के लाल किला, दिल्ली का जामा मस्जिद, आगरा के किले में मोती मस्जिद, मयूर सिंहासन को बनवाया था - शाहजहाँ ने
- ◆ दिल्ली के लाल किले में मोती मस्जिद का निर्माण करवाया था - औरंगजेब ने
- ◆ आगरे के जामा मस्जिद का निर्माण करवाया - जहाँआरा बेगम (शाहजहाँ की पुत्री) ने
- ◆ मयूर सिंहासन को बनाने वाला मुख्य कलाकार - बे बादल खाँ (बनवाया - शाहजहाँ ने)
- ◆ मयूर सिंहासन में लगा 'कोहिनूर हीरा' शाहजहाँ को उपहार में दिया था - मीर जुमला ने
- ◆ मयूर सिंहासन (तख्ते ताउस) पर बैठने वाला अंतिम मुगल शासक था - मुहम्मदशाह
- ◆ शाहजहाँ के पुत्र औरंगजेब का जन्म हुआ - 3 नवम्बर, 1618 को उज्जैन के दोहद में
- ◆ 'जिन्दा पीर' कहा जाता था - औरंगजेब को
- ◆ औरंगजेब ने बीजापुर विजय की - 1686 में
- ◆ औरंगजेब को दफनाया गया - दौलताबाद में
- ◆ मुगलवंश का शासक जिसका दो बार (1658, 1659) राज्याभिषेक हुआ था - औरंगजेब
- ◆ 'बीबी का मकबरा' है - औरंगजेब की पहली पत्नी राबिया-उद्-दौरानी का मकबरा
- ◆ 'द्वितीय ताजमहल' कहलाता है - बीबी का मकबरा (औरंगाबाद, महाराष्ट्र)
- ◆ औरंगजेब के 'जिहाद' का अर्थ - दारुल इस्लामी
- ◆ 'नौरोज' त्योहार मनाने पर रोक - औरंगजेब ने
- ◆ 'जजिया कर' को पुनः लगाया - औरंगजेब ने
- ◆ संत रामदास समकालीन थे - औरंगजेब के
- ◆ मुगल साम्राज्य का अंतिम शासक था - बहादुर शाह जफर/द्वितीय
- ◆ बहादुरशाह जफर की मृत्यु - 1862 में रंगून में
- ◆ मुगल काल में मंत्रिपरिषद् तथा जिला (जनपद) कहलाता था - क्रमशः विजारात तथा सरकार
- ◆ मुगल काल में सरकारी भूमि तथा सिक्का कहलाता था - क्रमशः खालसा तथा शंसब
- ◆ मुगल काल में तौबे का सिक्का कहलाता था - दाम, जो रूपए के 40वें भाग के बराबर था
- ◆ मुगल काल की राजकीय भाषा थी - फारसी
- ◆ 'बाबुल मक्का' कहा जाता था - सूरत को
- ◆ 'शाहे बेखबर' कहलाया - बहादुरशाह प्रथम
- ◆ 'लम्पट मुख' कहा गया - जहाँदार शाह को
- ◆ मुगल वंश का 'घृणित कार' - फारूखसियर
- ◆ 'रंगीला बादशाह' कहलाता था - मुहम्मदशाह
- ◆ नादिरशाह (फारस) ने दिल्ली पर आक्रमण किया - 1739 में मुहम्मदशाह के समय

- ◆ 'ईरान का नेपोलियन' कहलाया - नादिरशाह
- ◆ 'तख्ते ताउस' को ईरान ले गया था - नादिरशाह
- ◆ मराठा साम्राज्य का संस्थापक - शिवाजी
- ◆ शिवाजी का जन्म - 1627 में शिवनेर दुर्ग में
- ◆ शिवाजी के पिता का नाम - शाहजी भोंसले
- ◆ शिवाजी के माता का नाम - जीजाबाई
- ◆ शिवाजी के संरक्षक/गुरु थे - दादा कोंडदेव
- ◆ शिवाजी के अध्यात्मिक गुरु - रामदास
- ◆ शिवाजी ने राज्याभिषेक करवाया - 1674 में काशी के विद्वान गंगाधर से रायगढ़ किले में
- ◆ शिवाजी ने 'छत्रपति' की उपाधि धारण की - 1674 में, रायगढ़ में राज्याभिषेक के बाद
- ◆ शिवाजी की पैदल सेना का नाम तथा भूमि कर प्रणाली थी - क्रमशः पाइक एवं रयतवाड़ी
- ◆ शिवाजी का मंत्रिपरिषद् था - अष्टप्रधान
- ◆ अष्टप्रधान का सर्वोच्च पद था - पेशवा
- ◆ 'चौथ' और 'सरदेशमुखी' था - एक कर
- ◆ पुरंदर की संधि (22 जून, 1665 को) हुई थी - शिवाजी और महाराजा जयसिंह के बीच
- ◆ शिवाजी का अंतिम आक्रमण - कर्नाटक पर
- ◆ शिवाजी को औरंगजेब ने कैद किया था - 1666 ई. में आगरा के जयपुर भवन में
- ◆ शिवाजी की मृत्यु - 3 अप्रैल, 1680 को
- ◆ शिवाजी का उत्तराधिकारी बना - शंभाजी
- ◆ शंभाजी की हत्या करवाया था - औरंगजेब ने
- ◆ दिल्ली पर आक्रमण करने वाला प्रथम पेशवा - बालाजी विश्वनाथ (1719 में)
- ◆ 1728 में पालखेड़ा के युद्ध में बाजीराव प्रथम ने पराजित किया था - निजाम-उल-मुल्क को
- ◆ शिवाजी की गुरिल्ला युद्ध प्रणाली को अपनाया था - बाजीराव प्रथम (लड़ाकू पेशवा) ने
- ◆ नाना साहेब के नाम से जाना जाता है - बालाजी बाजीराव को
- ◆ पानीपत का तीसरा युद्ध हुआ - 14 जनवरी, 1761 को बालाजी बाजीराव के शासन में
- ◆ पानीपत के तीसरा युद्ध में अहमदशाह अब्दाली ने पराजित किया था - मराठों को
- ◆ सहायक संधि स्वीकार करने वाला प्रथम मराठा सरदार - बाजीराव-II (अंतिम पेशवा)
- ◆ प्रथम आंग्ल-मराठा युद्ध (1775-82 ई.) समाप्त हुआ था - सालवाई की संधि द्वारा
- ◆ सालवाई की संधि हुई - 17 मई 1782 को ईस्ट इंडिया कंपनी और महादजी शिंदे के बीच (वारेन हेस्टिंग्स के समय)
- ◆ द्वितीय आंग्ल-मराठा युद्ध - 1803-05 ई.
- ◆ तृतीय आंग्ल-मराठा युद्ध - 1817-19 ई.
- ◆ द्वितीय और तृतीय आंग्ल मराठा युद्ध हुआ था - बाजीराव-II के शासनकाल में
- ◆ प्रथम, द्वितीय तथा तृतीय आंग्ल मराठा युद्ध हुए - क्रमशः वारेन हेस्टिंग्स, लॉर्ड वेलेजली व लॉर्ड हेस्टिंग्स के शासनकाल में
- ◆ जयपुर शहर की स्थापना - सवाई जयसिंह ने
- ◆ राजा सवाई जयसिंह ने जंतर-मंतर (खगोलीय वेधशालाओं) का निर्माण करवाया - दिल्ली, उज्जैन, जयपुर, बनारस तथा मथुरा में



- ♦ यूरोपियों के भारत आने का क्रम है - पुर्तगाली, डच, अंग्रेज, डेनिस, फ्रांसीसी, स्वीडीश
- ♦ सबसे पहले भारत आया था - पुर्तगाली
- ♦ भारत आने वाला प्रथम पुर्तगाली- वास्कोडिगामा (1498 में, पश्चिमी तट कालीकट पहुँचा जहाँ हिंदू राजा जमोरिन ने स्वागत किया)
- ♦ दुबारा वास्कोडिगामा भारत आया - 1502 में
- ♦ पुर्तगालियों ने अपनी पहली व्यापारिक कोठी स्थापित की - कोचीन में (1503 में)
- ♦ भारत में पहला पुर्तगाली गवर्नर था - फ्रांसिस्को-डी-अल्मीडा (1505 में नियुक्त)
- ♦ शांत जल की नीति (ब्लू वाटर पॉलीसी) लागू किया था - फ्रांसिस्को-डी-अल्मीडा ने
- ♦ पुर्तगाली शक्ति का वास्तविक संस्थापक माना जाता है - अल्फांसो-डी-अल्बुकर्क को
- ♦ पुर्तगालियों द्वारा गोवा पर कब्जा - 1510 में
- ♦ डच लोग भारत आये थे - 1596 ई. में
- ♦ डच निवासी थे - नीदरलैंड या हॉलैंड के
- ♦ पहला डच यात्री - कार्नेलियन हाऊटमैन
- ♦ ईस्ट इंडिया कंपनी की स्थापना - 1600 ई. में
- ♦ डचों ने अपनी पहली व्यापारिक कोठी (फैक्ट्री) स्थापित की - मसूलीपट्टम में (1605 में)
- ♦ अहमदनगर का विलय हुआ था - 1632 में
- ♦ डचों का भारत में पतन हुआ - डचों और अंग्रेजों के मध्य वेदरा युद्ध से (1759 में)
- ♦ अंग्रेजों ने 1613 में अपनी पहली स्थायी फैक्ट्री सूरत में स्थापित की - जहांगीर के अनुमति से
- ♦ अंग्रेजी/यूरोपीय शासनकाल में अफीम तथा शोर उत्पादन के लिए प्रसिद्ध था - बिहार
- ♦ भारत आने वाला प्रथम जहाज - रेड ड्रैगन
- ♦ भारत में फ्रांसीसियों की प्रथम फैक्ट्री स्थापित की गई - 1668 में सूरत में फ्रेंको कैरों द्वारा
- ♦ प्रथम फ्रांसीसी गवर्नर कौन था - डुप्ले
- ♦ पांडिचेरी की स्थापना की - 1674 में, फ्रांसिस मार्टिन (फ्रांसीसी) ने
- ♦ अंग्रेजों द्वारा पांडिचेरी पर अधिकार - 1761 में
- ♦ कलकत्ता नगर की स्थापना किया था - जॉव चारनॉक ने, 1690 में
- ♦ तीन कर्नाटक युद्ध हुआ था - अंग्रेज और फ्रांसिसियों के बीच
- ♦ प्रथम कर्नाटक युद्ध (1746-48 ई.) समाप्त हुआ - एक्स-लॉ-शापेल की संधि से
- ♦ द्वितीय कर्नाटक युद्ध (1749-54 ई.) समाप्त हुआ - पांडिचेरी की संधि से
- ♦ तृतीय कर्नाटक युद्ध (1758-63 ई.) समाप्त हुआ - पेरिस की संधि से
- ♦ हम्मुराबी शासक था - बेबीलोन का
- ♦ वांडीवाश का युद्ध हुआ था - फ्रांसीसीयों और अंग्रेजों के बीच (1760 ई. में)
- ♦ वांडीवाश के युद्ध में आयरकूट के नेतृत्व में अंग्रेजी सेना ने हराया था - फ्रांसीसियों को
- ♦ अंग्रेजों ने फ्रांसीसी से पांडिचेरी छीना - 1761 में
- ♦ सिक्खवाद का प्रवर्तन - 1500 ई./16वीं सदी
- ♦ सिक्ख धर्म के संस्थापक - गुरुनानक देव जी

## आधुनिक भारत

- ♦ गुरु नानकदेव जी का जन्म - 1469 में तलवंडी में (वर्तमान-ननकाना साहिब, पाकिस्तान)
- ♦ नानक जी के पिता का नाम - मेहता कालूचंद
- ♦ नानक जी के माता का नाम था - तृप्ता देवी
- ♦ संगत (धर्मशाला) और पंगत (लंगर) को स्थापित किया था - गुरु नानक देव जी ने
- ♦ गुरु नानकदेव जी की मृत्यु - 1539 ई. में करतारपुर (पाकिस्तान) में
- ♦ गुरु नानकदेव जी का उत्तराधिकारी हुए - गुरु अंगद (गुरुमुखी लिपि के जनक)
- ♦ अकबर ने 500 बीघा जमीन दी थी - सिक्खों के चौथे गुरु रामदास को
- ♦ 'आदि ग्रंथ' की रचना - गुरु अर्जुनदेव जी
- ♦ खुद को सच्चा बादशाह कहूँ था - श्री गुरु अर्जुन देव जी ने
- ♦ श्री हरमंदिर साहिब (स्वर्ण मंदिर, अमृतसर) को बनवाया था - श्री गुरु अर्जुन देव जी ने
- ♦ स्वर्ण मंदिर की नींव रखी - साई मीयां मीर ने
- ♦ गुरु अर्जुन देव को मृत्युदंड दिया - जहांगीर ने
- ♦ श्री अकाल तख्त साहिब की स्थापना की थी - श्री गुरु हरगोबिंद साहिब जी ने
- ♦ 'हिन्द की चादर' कहलाए - गुरु तेगबहादुर
- ♦ गुरु तेगबहादुर को मृत्युदंड दिया - औरंगजेब ने
- ♦ खालसा पंथ की स्थापना एवं गुरु प्रथा को समाप्त किया - श्री गुरु गोविन्द सिंह जी ने
- ♦ सिक्खों के अंतिम गुरु - गुरु गोविन्द सिंह
- ♦ सिक्खों के 10वें गुरु, गुरु गोविन्द सिंह जी का जन्म हुआ था - 1666 ई. में पटना में
- ♦ सिक्खों के अंतिम गुरु - गुरु गोविन्द सिंह
- ♦ श्री गुरु गोविन्द सिंह जी निधन हुआ था - 1708 ई. में (नान्देड़, महाराष्ट्र में)
- ♦ गुरु गोविन्द सिंह ने अगला गुरु बताया - गुरु अर्जुन देव स्थापित 'गुरु ग्रंथ साहिब' को
- ♦ रंजीत सिंह का जन्म - 2 नवम्बर 1780 को सुकरचकिया मिसल के मानसिंह के घर
- ♦ रंजीत सिंह का उत्तराधिकारी - पुत्र खड्ग सिंह
- ♦ सिक्ख राज्य का अंतिम राजा - दिलीप सिंह
- ♦ अमृतसर संधि हुई थी - महाराजा रंजीत सिंह और अंग्रेजों के बीच 25 अप्रैल 1809 को
- ♦ सिराजुद्दौला था - बंगाल का नबाब
- ♦ कालकोठरी (ब्लैक हॉल) की घटना घटी थी - 20 जून, 1756 को सिराजुद्दौला के समय
- ♦ अलीनगर की संधि हुई थी - 1757 ई. में सिराजुद्दौला और ईस्ट इंडिया कंपनी के बीच
- ♦ दस्तक प्रथा को समाप्त किया - मीर कासिम ने
- ♦ प्लासी का युद्ध - 23 जून, 1757 को अंग्रेज सेनापति रॉबर्ट क्लाइव और बंगाल के नबाब सिराजुद्दौला (हारा गया था) के बीच
- ♦ सिराजुद्दौला का सेनापति था - मीर जाफर
- ♦ प्लासी युद्ध का मैदान स्थित है - बंगाल में
- ♦ मीर जाफर बंगाल का नबाब बना - 1757 में

- ♦ बंगाल की राजधानी को मुर्शिदाबाद से मुंगेर स्थानांतरित किया था - मीर कासिम ने
- ♦ बक्सर का युद्ध हुआ - अंग्रेजों और मीर कासिम, शुजाउद्दौला व शाहआलम द्वितीय (मुगल शासक) के बीच (अंग्रेज विजयी हुए)
- ♦ बक्सर के युद्ध के समय बंगाल का नबाब था - मीर जाफर
- ♦ बक्सर के युद्ध (22 अक्टूबर, 1764) में अंग्रेजों का सेनापति था - मेजर-हेक्टर-मुनरो
- ♦ इलाहाबाद की प्रथम संधि - 12 अगस्त, 1765 को शाहआलम-II और लॉर्ड क्लाइव के बीच (इसी के तहत शाहआलम द्वितीय ने ईस्ट इंडिया कंपनी को बंगाल, बिहार तथा उड़ीसा की दीवानी प्रदान की)
- ♦ इलाहाबाद की द्वितीय संधि - लॉर्ड क्लाइव और शुजाउद्दौला के बीच
- ♦ भारत में अंग्रेजी राज्य का संस्थापक - क्लाइव
- ♦ बंगाल में द्वैध शासन की शुरुआत - 1765 ई. में लॉर्ड क्लाइव द्वारा (1765-72 तक)
- ♦ बंगाल में द्वैध शासन को समाप्त किया था - 1772 ई. में वारेन हेस्टिंग्स ने
- ♦ बंगाल का पहला गवर्नर जनरल - वारेन हेस्टिंग्स
- ♦ पिंडारियों का दमन किया - लॉर्ड हेस्टिंग्स ने
- ♦ प्रथम मदरसा की स्थापना वारेन हेस्टिंग्स ने की थी - 1781 में (कलकत्ता में)
- ♦ भारतीय सिविल सेवा का जनक - कार्नवालिस
- ♦ लॉर्ड कार्नवालिस की कब्र - गाजीपुर (उ.प्र.)
- ♦ भारत में 'स्थानीय स्वायत्त शासन' का जनक - लॉर्ड रिपन (इल्बर्ट विधेयक - 1883 में)
- ♦ 'फूट डालो, राज करो' की नीति - लॉर्ड कर्जन
- ♦ मानव/नर-बलि प्रथा पर रोक - लॉर्ड हार्डिंग
- ♦ भारत का पहला गवर्नर जन. - विलियम बैंटिक
- ♦ सती प्रथा का अंत - लॉर्ड विलियम बैंटिक ने 1829 में राजाराम मोहन राय के सहयोग से
- ♦ बंगाल में भयंकर अकाल पड़ा - 1770 में
- ♦ हैदर अली मैसूर का शासक बना - 1761 में
- ♦ हैदर अली की मृत्यु - 7 दिसम्बर 1782 को
- ♦ हैदर अली का पुत्र/उत्तराधिकारी - टीपू सुल्तान
- ♦ टीपू सुल्तान शासक था - मैसूर का
- ♦ टीपू सुल्तान की राजधानी थी - श्रीरंगपट्टनम
- ♦ टीपू सुल्तान की मृत्यु - 4 मई 1799 को
- ♦ प्रथम एवं द्वितीय आंग्ल-मैसूर युद्ध के समय मैसूर का शासक था - हैदर अली
- ♦ तृतीय एवं चतुर्थ आंग्ल-मैसूर युद्ध के समय मैसूर का शासक था - टीपू सुल्तान
- ♦ श्री रंगपट्टनम में 'स्वतंत्रता का वृक्ष' लगावाया था - टीपू सुल्तान (शेर-ए-मैसूर) ने
- ♦ रैयतवाड़ी व्यवस्था (किसानों के साथ) को सर्वप्रथम लागू किया था - 1792 में कर्नल रीड एवं थामस मूनरो ने तमिलनाडु में
- ♦ मद्रास एवं बम्बई प्रेसीडेंसी में रैयतवाड़ी व्यवस्था लागू की - थॉमस मूनरो ने 1820 में
- ♦ स्थायी/इस्तरमारी बंदोबस्त की शुरुआत - 1793 में लॉर्ड कार्नवालिस ने जमींदारों के साथ (मुख्य रूप से बिहार, बंगाल, उड़ीसा में)



- ◆ 'सूर्यास्त कानून' संबंधित - स्थायी बंदोबस्त से
- ◆ महालवाड़ी व्यवस्था की शुरुआत - 1819 में हॉल्ट मैकेन्जी और मार्टिन बर्ड द्वारा
- ◆ सहायक संधि पद्धति शुरू - लॉर्ड वेल्लेजली ने
- ◆ सहायक संधि को स्वीकार करने वाला प्रथम शासक - हैदराबाद के निजाम, 1798 में
- ◆ सहायक संधि करने वाला प्रथम राज्य था - हैदराबाद (दूसरा राज्य - मैसूर, 1799 में)
- ◆ अवध ने सहायक संधि स्वीकारा - 1801 में
- ◆ अवध का अंतिम नवाब - वाजिद अली शाह
- ◆ लखनऊ से पहले अवध की राजधानी - फैजाबाद
- ◆ लॉर्ड डलहौजी द्वारा अवध का अंग्रेजी राज्य में विलय - 1856 में (कुप्रशासन के कारण)
- ◆ सहायक संधि स्वीकार करने वाला पहला मराठा सरदार - पेशवा बाजीराव-II, 1802 में
- ◆ बेसिन की संधि हुई थी - 1802 ई. में
- ◆ अंग्रेजों का संधि पर विजय - 1843 में, लॉर्ड एलेनबरो के समय
- ◆ 'विधवा पुनर्विवाह अधिनियम क्रियावित/लागू - लॉर्ड कैनिंग के शासन में 1856 में
- ◆ 1 नवम्बर, 1858 को महारानी विक्टोरिया का घोषणा-पत्र को पढ़कर सुनाया - लॉर्ड कैनिंग (भारत का प्रथम वायसराय) ने इलाहाबाद में
- ◆ महारानी विक्टोरिया 'भारत की साम्राज्ञी' घोषित - 1858 में (कैसर-ए-हिन्द उपाधि-1877 में)
- ◆ वाटरलू (बेल्जियम) का युद्ध - 18 जून 1815
- ◆ सुगौली की संधि हुआ था - 1816 में
- ◆ लॉर्ड मैकाले संबंधित है - अंग्रेजी शिक्षा से
- ◆ भारत में अंग्रेजी शिक्षा प्रारंभ-1835 में मैकाले की अनुशंसा पर लॉर्ड बेंटिक के समय
- ◆ 1854 का 'वुड का डिस्पैच' संबंधित है - शिक्षा से (लॉर्ड डलहौजी द्वारा लागू किया गया)
- ◆ 'भारतीय शिक्षा का मैग्नाकार्टा' कहा जाता है - चार्ल्स वुड के डिस्पैच को
- ◆ शिक्षा से संबंधित सैडलर आयोग नियुक्त किया गया - 1917 को
- ◆ भारत में प्रिंटिंग प्रेस का प्रारंभ - पुर्तगालियों ने
- ◆ 'भारतीय समाचार पत्रों का मुक्तिदाता' कहा जाता है - चार्ल्स मेटकॉफ को
- ◆ भारतीय द्वारा अंग्रेजी में प्रकाशित पहला समाचार-पत्र था - बंगाल गजट (1779 ई.)
- ◆ न्यूज पेपर एक्ट पारित किया गया - 1908 में
- ◆ भारत में दास प्रथा को अवैध घोषित किया गया - 1843 में लॉर्ड एलेनबरो के समय
- ◆ 1857 की क्रांति प्रारंभ - 10 मई (मेरठ से)
- ◆ 1857 के विद्रोह का तात्कालिक कारण था - एनफील्ड राइफलों में चर्बीयुक्त कारतूस का प्रयोग
- ◆ चर्बी वाले कारतूसों से चलने वाला एनफील्ड राइफल सेना में शामिल - दिसम्बर, 1856 में
- ◆ मंगल पांडे (34वीं ईफेंट्री के सिपाही) घटना हुई थी - 29 मार्च 1857 को बरकपुर में
- ◆ मंगल पांडे को फाँसी - 8 अप्रैल, 1857 को
- ◆ 1857 के विद्रोह के समय भारत का सम्राट/मुगल

- बादशाह था - बहादुरशाह जफर द्वितीय
- ◆ 1857 में भारत का गवर्नर जनरल - कैनिंग
- ◆ 1857 में ब्रिटिश प्रधानमंत्री था - पामस्टन
- ◆ 1857 के विद्रोह को दबाने के लिए नियुक्त किया गया प्रथम सेनापति था - कैम्पबेल
- ◆ 1857 की क्रांति का प्रतीक - कमल एवं रोटी
- ◆ 1857 के विद्रोह को 'भारत का प्रथम स्वतंत्रता संग्राम' कहा था - वी. डी. सावरकर ने
- ◆ अभिनव भारत (गुप्त सभा) का गठन - वी. डी. सावरकर ने 1904 में नासिक में
- ◆ 1857 के विद्रोह को 'सैनिक विद्रोह' की संज्ञा दी - लॉरेंस एवं सीले ने
- ◆ 1857 के विद्रोह को 'राष्ट्रीय विद्रोह' की संज्ञा दी थी - डिजरेली ने
- ◆ 1857 के विद्रोह को 'धर्मांधों का ईसाईयों के विरुद्ध युद्ध' कहा था - एल. ई. आर. रीज ने
- ◆ 1857 के विद्रोह को 'हिन्दु-मुस्लिम षडयंत्र' कहा था - जेम्स आउट्रम एवं डब्ल्यू. टेलर ने
- ◆ 1857 का विद्रोह 'न तो प्रथम, न राष्ट्रीय और न ही स्वतंत्रता संग्राम था' कहा था - आर. सी. मजुमदार ने
- ◆ 1857 के विद्रोह को 'बर्बरता एवं सभ्यता के बीच का युद्ध' कहा था - टी. आर. होम्स ने
- ◆ दिल्ली में 1857 के विद्रोह का नेतृत्व किया था - बहादुर शाह-II ने (दमन-हडसन)
- ◆ लखनऊ (अवध) में 1857 के विद्रोह का नेतृत्व - बेगम हजरत महल ने (दमन-कैम्बल)
- ◆ कानपुर में 1857 के विद्रोह का नेतृत्व - नाना साहेब एवं तात्या टोपे (रामचंद्र पांडुरंग) ने
- ◆ नाना साहेब का मूल नाम था - धोंडूपन्त
- ◆ झांसी में 1857 के विद्रोह का नेतृत्व किया - लक्ष्मीबाई ने (दमन-ह्यूरोज ने)
- ◆ रानी लक्ष्मीबाई की समाधि है - ग्वालियर में
- ◆ बिहार में 1857 के विद्रोह का नेतृत्व - कुर्बेर सिंह (जगदीशपुर) ने, दमन-वि. टेलर ने
- ◆ पटना में 1857 के विद्रोह का नेतृत्व - पीर अली ने (दमन-विलियम टेलर ने)
- ◆ इलाहाबाद में 1857 के विद्रोह का नेतृत्व - लियाकत अली ने (दमन-जनरल नील)
- ◆ 1857 के विद्रोह को देखने वाला उर्दू कवि था - मिर्जा गालिब (निवासी-आगरा)
- ◆ 1857 नामक पुस्तक के लेखक - एस. एन. सेन
- ◆ राज्य हड़प नीति लागू किया - डलहौजी ने
- ◆ क्रीमियन युद्ध (1854-56 ई.) में ब्रिटेन, फ्रांस, टर्की ने पराजित किया था - रूस को
- ◆ फ्लोरेस नाइटिंगेल का संबंध-क्रीमियन युद्ध से
- ◆ 'लेडी विद द लैंप' कहा जाता है - फ्लोरेस नाइटिंगेल को (इंग्लैंड की)
- ◆ 1857 के ठीक बाद नील विद्रोह हुआ - बंगाल में (1859-60 में)
- ◆ 'नील दर्पण' पुस्तक के लेखक - दीनबंधु मित्र
- ◆ संयासी विद्रोह हुआ - 1763-1800 के बीच
- ◆ संयासी विद्रोह का उल्लेख मिलता है - बंकिमचंद्र चटर्जी के उपन्यास आनंद मठ में

- ◆ बघेरा विद्रोह हुआ था - 1818 में बड़ौदा में
- ◆ अहोम विद्रोह हुआ था - 1828-33 ई. में
- ◆ गोमधर कूर्वर के नेतृत्व में असम में
- ◆ कोल विद्रोह हुआ था - बुद्धो भगत के नेतृत्व में (1831-32 ई. में)
- ◆ कूका विद्रोह की शुरुआत - 1840 में भगत जवाहरमल एवं रामसिंह कूका द्वारा पंजाब में
- ◆ संथाल विद्रोह हुआ था - सिद्धू तथा कान्हू के नेतृत्व में (1855-56 ई. में)
- ◆ मुण्डा आदिवासियों का विद्रोह हुआ था - 1899-1900 के बीच (नेता-धिरसा मुण्डा)
- ◆ उलगुलान विद्रोह संबंधित है - धिरसा मुंडा से
- ◆ बिरसा मुंडा का जन्म - 18 नवम्बर 1875
- ◆ 'मोपला विद्रोह' हुआ था - 1921 में केरल के मालाबार क्षेत्र में
- ◆ 'एशियाटिक सोसाइटी ऑफ बंगाल' की स्थापना - 1784 में विलियम जोंस ने
- ◆ वर्नाक्यूलर प्रेस एक्ट पारित - 1878 में लॉर्ड लिटन द्वारा (रद्द-1882 में लॉर्ड रिपन ने)
- ◆ भक्ति आन्दोलन के प्रतिपादक - रामानुजाचार्य
- ◆ भारतीय पुनर्जागरण का पिता, भारतीय राष्ट्रवाद का पैगंबर/जनक, आधुनिक भारत का पिता, युगदूत कहा गया - राजा राममोहन राय को
- ◆ 'आत्मीय सभा' की स्थापना - 1815 में राजा राममोहन राय ने कोलकाता में
- ◆ 'ब्रह्म समाज' की स्थापना - 20 अगस्त, 1828 को राजा राममोहन राय ने
- ◆ ब्रह्म समाज का सिद्धांत आधारित है - एकेश्वरवाद की उपासना पर
- ◆ 'भारतीय/आदि ब्रह्म समाज' की स्थापना - 11 नवम्बर, 1866 को केशवचंद्र सेन ने
- ◆ राजा राममोहनराय को 'राजा' की उपाधि दिया - मुगल सम्राट अकबर द्वितीय ने
- ◆ राममोहन राय की मृत्यु - ब्रिस्टल, इंग्लैंड
- ◆ 'रामकृष्ण मिशन' की स्थापना - 1897 में स्वामी विवेकानंद द्वारा बेलूर, कोलकाता में
- ◆ विवेकानंद के बचपन का नाम - नरेन्द्रनाथ दत्त
- ◆ 'मानव की सेवा ईश्वर की सेवा है' कहा था - स्वामी विवेकानंद ने
- ◆ 1893 में शिकागो में आयोजित 'विश्व धर्म सम्मेलन' में भाषण दिया-स्वामी विवेकानंद ने
- ◆ आर्य समाज की स्थापना-7 अप्रैल 1875 को दयानंद सरस्वती (मूल शंकर) ने बम्बई में
- ◆ 'भारत, भारतीयों के लिए' का नारा दिया था - आर्य समाज ने
- ◆ 'सत्यार्थ प्रकाश' की रचना - दयानंद सरस्वती
- ◆ 'वेदों की ओर लौटो' का नारा दिया था - स्वामी दयानंद सरस्वती ने
- ◆ 'भारत का मार्टिन लूथर किंग' कहा जाता है - स्वामी दयानंद सरस्वती को
- ◆ सर्वप्रथम 'स्वराज्य' शब्द का प्रयोग किया था - स्वामी दयानंद सरस्वती ने
- ◆ दयानंद सरस्वती के गुरु - स्वामी बिरजानंद



- ♦ दयानंद सरस्वती ने 'शुद्धि आंदोलन' चलाया - 1882 में (मृत्यु-अजमेर, राजस्थान में)
- ♦ 'प्रार्थना समाज' की स्थापना - 1867 में, आत्माराम पांडुरंग ने बम्बई में
- ♦ 'देव समाज' की स्थापना - 1887 में लाहौर में, शिवनारायण अग्निहोत्री ने
- ♦ सत्यशोधक समाज की स्थापना - 1873 में ज्योतिबा फूले (पुस्तक-गुलामगिरी) ने
- ♦ 'लोकहितवादी' कहलाए - गोपाल हरि देशमुख
- ♦ भारत में विधवा विवाह का सबसे बड़ा समर्थक - ईश्वर चंद्र विद्यासागर
- ♦ 'हिन्दु विधवा पुनर्विवाह अधिनियम' पारित हुआ - 26 जुलाई 1856 को लॉर्ड कैनिंग द्वारा
- ♦ शारदा एक्ट पारित किया गया - 1929 में
- ♦ बाल विवाह अधिनियम पारित - 1872 में
- ♦ धियोसाफिकल सोसाइटी की स्थापना - 1875 में क्लावत्सकी एवं अल्कोट ने न्यूयार्क में
- ♦ भारत में धियोसाफिकल सोसाइटी के मुख्यालय की स्थापना - 1882 में मद्रास के अड्यार में
- ♦ एनी बेसेंट धियोसाफिकल सोसाइटी की अध्यक्ष बनी-1907 में (भारत आगमन-1893 में)
- ♦ 'सेन्ट्रल हिन्दु कॉलेज' की स्थापना किया था - 1898 में श्रीमति एनी बेसेंट ने बनारस में
- ♦ बनारस हिन्दु विश्वविद्यालय की स्थापना - 1916 में पंडित मदनमोहन मालवीय ने
- ♦ यंग बंगाल आंदोलन की स्थापना - 1826 में हेनरी विवियन डेरोजियो ने (पेशा-शिक्षक)
- ♦ आधुनिक भारत के प्रथम राष्ट्रवादी कवि - हेनरी विवियन डेरोजियो
- ♦ बहावी आंदोलन हुआ था - सैयद अहमद बरेलवी के नेतृत्व में (1863-60 के बीच)
- ♦ बहावी आंदोलन का मुख्य केन्द्र था - पटना
- ♦ अलीगढ़ आंदोलन के प्रवर्क-सैयद अहमद खान
- ♦ भारत संघ (इंडियन एसोसिएशन) की स्थापना - 26 जुलाई, 1876 को सुरेन्द्रनाथ बनर्जी ने
- ♦ सुरेन्द्रनाथ बनर्जी को भारतीय सिविल सर्विस से हटाया गया था - 1874 में ब्रिटिश द्वारा
- ♦ 'बिना ताज के बादशाह' कहा जाता है - सुरेन्द्रनाथ बनर्जी को
- ♦ सर्वेंट्स ऑफ इंडिया सोसाइटी (भारत सेवक समाज) की स्थापना - 1905 में गोपाल कृष्ण गोखले ने
- ♦ कांग्रेस की स्थापना - 28 दिसम्बर, 1885 को ए. ओ. ह्यूम ने (लार्ड डफरिन के शासनकाल में)
- ♦ 'हरमिट ऑफ शिमला' कहा जाता है - ए. ओ. ह्यूम को (स्कॉटलैंड वासी)
- ♦ कांग्रेस के पहले अध्यक्ष - डब्ल्यू. सी. बनर्जी
- ♦ कांग्रेस के प्रथम अधिवेशन की अध्यक्षता - डब्ल्यू. सी. बनर्जी (महासचिव-ए.ओ. ह्यूम)
- ♦ कांग्रेस के प्रथम अधिवेशन (मुम्बई, 1885) में भाग लिया था - 72 प्रतिनिधियों ने
- ♦ कांग्रेस नाम सुझाव दिया - दादाभाई नौरोजी
- ♦ 'भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस' का इतिहास लिखा था - पट्टाभि सीतारामैया ने

- ♦ कांग्रेस के दूसरे अधिवेशन (कलकता, 1886) की अध्यक्षता की थी - दादाभाई नौरोजी ने
- ♦ 'धन निष्कासन का सिद्धांत' दिया - दादाभाई नौरोजी (ग्रैंड ओल्ड मैन) ने 1867 में
- ♦ दादाभाई नौरोजी ने पहली बार 'स्वराज्य' की माँग की - 1906 के कोलकाता अधिवेशन में
- ♦ कांग्रेस में फूट पड़ी थी - सूरत अधिवेशन, 1907 में (अध्यक्षता-रास बिहारी घोष ने)
- ♦ कांग्रेस पुनः एक हुए - लखनऊ अधिवेशन, 1916 में (अध्यक्ष-अंबिकाचरण मजूमदार)
- ♦ कांग्रेस विभाजन के समय भारत का वायसराय था - लॉर्ड मिण्टो द्वितीय
- ♦ कांग्रेस के प्रथम अंग्रेज अध्यक्ष - जार्ज यूले (प्रथम मुस्लिम अध्यक्ष- बदरुद्दीन तैयबजी)
- ♦ कांग्रेस का 27वाँ अधिवेशन - 1912 में बाँकीपुर (बिहार) में (अध्यक्ष-आर. एन. मुधोलकर)
- ♦ 'स्वराज हमारा जन्मसिद्ध अधिकार है, मैं इसे लेकर रहूँगा' कहा - बाल गंगाधर तिलक ने (लखनऊ अधिवेशन, 1916 में)
- ♦ बाल गंगाधर तिलक को 'भारतीय अशांति का जनक' कहा था - वेलेन्टाइन शिरॉल ने
- ♦ कांग्रेस की प्रथम महिला अध्यक्ष बनी - एनी बेसेंट (कलकता अधिवेशन, 1917 में)
- ♦ सबसे कम उम्र में कांग्रेस के अध्यक्ष बने - मौलाना अबुल कलाम आजाद (1923 में)
- ♦ कांग्रेस की प्रथम भारतीय महिला अध्यक्ष बनी - सरोजनी नायडू, कानपुर अधिवेशन 1925
- ♦ सदस्य हेतु खादी वस्त्र अनिवार्य किया गया - गुवाहाटी अधिवेशन 1926 में
- ♦ कांग्रेस का एकमात्र अधिवेशन जिसकी अध्यक्षता महात्मा गांधी ने की-बेलगाँव अधि. 1924 में
- ♦ 'पूर्ण स्वराज' प्रस्ताव पारित - 1929 के लाहौर अधिवेशन में (अध्यक्ष-जवाहरलाल नेहरू)
- ♦ गाँव में हुआ पहला अधिवेशन - फैजपुर अधिवेशन 1937 (अध्यक्षता-नेहरू जी ने)
- ♦ 1938 के कांग्रेस के 'हरिपुरा अधिवेशन' की अध्यक्षता किसने की - सुभाष चंद्रबोस ने
- ♦ 1939 में सुभाष चंद्रबोस के त्यागपत्र देने के बाद कांग्रेस के अध्यक्ष बने - डॉ. राजेन्द्र प्रसाद
- ♦ पहली बार पाकिस्तान की माँग - 1940 के लाहौर अधिवेशन में (अध्यक्ष-जिन्ना)
- ♦ 'पाकिस्तान' शब्द के जन्मदाता/जनक - चौधरी रहमत अली
- ♦ पाकिस्तान के प्रथम प्रधानमंत्री-लियाकत अली
- ♦ 'बाँटो और छोड़ो' का नारा मुस्लिम लीग ने दिया था - कराची अधिवेशन (1943 में)
- ♦ 'अनुशीलन समिति' की स्थापना - 1902 में, पी. मित्रा एवं पुलिन दास द्वारा बंगाल में
- ♦ 'अनुशीलन समिति' का उद्देश्य था - खून के बदले खून
- ♦ 'अनुशीलन समिति' का क्रांतिकारी संगठन के रूप में पुनर्गठन - 1907 में, बारीन्द्र घोष एवं भूपेन्द्रनाथ दत्त द्वारा कलकता में
- ♦ इंडियन होमरूल सोसाइटी की स्थापना की

- 1905 में श्याम जी कृष्ण वर्मा ने लंदन में
- ♦ मुजफ्फरपुर (बम कांड) में किंग्सफोर्ड की हत्या का प्रयास किया गया था - 1908 में
- ♦ खुदीराम बोस तथा प्रफुल्ल चाकी द्वारा
- ♦ खुदीराम बोस को फाँसी - 11 अगस्त, 1908
- ♦ हिन्दुस्तान रिपब्लिकन एसोसिएशन की स्थापना - 1924 में शचींद्र सान्याल, राम प्रसाद बिस्मिल, चंद्रशेखर आजाद द्वारा कानपुर में
- ♦ 'सरफरोशी की तमन्ना' गीत लिखा था - राम प्रसाद बिस्मिल ने
- ♦ राम प्रसाद बिस्मिल को फाँसी हुई थी - गोरखपुर जेल में काकोरी षड्यंत्र मामले में
- ♦ काकोरी कांड हुआ था - 9 अगस्त 1925 को
- ♦ चंद्रशेखर आजाद की मृत्यु - 27 फरवरी 1931 को इलाहाबाद के अल्फ्रेड पार्क में पुलिस मुठभेड़ के दौरान
- ♦ जेल में भुख हड़ताल से मृत्यु - जतिन दास
- ♦ गदर पार्टी की स्थापना - 1913 में लाला हरदयाल ने सेन-फ्रांसिस्को (अमेरिका) में
- ♦ 'भारतीय क्रान्ति की माँ' कहा गया - भीकाजी रूस्तम कामा को (जन्म-24 सितंबर 1861)
- ♦ भारतीय तिरंगा फहराने वाली प्रथम महिला - भीकाजी कामा, 1907 में स्टुटगार्ट, जर्मनी में
- ♦ 'नेहरू एक राष्ट्रभक्त है, जबकि जिन्ना एक राजनीतिज्ञ' कहा था - मुहम्मद इकबाल ने
- ♦ 'आमार सोनार बांग्ला' (बांग्लादेश का राष्ट्रीय गीत) को लिखा था- रवीन्द्र नाथ ठाकुर ने
- ♦ बंग-भंग की घोषणा- 19 जुलाई 1905 को
- ♦ बंग-भंग के बाद शुरू हुआ- स्वदेशी आंदोलन
- ♦ स्वदेशी आंदोलन की घोषणा- 7 अगस्त 1905
- ♦ बंगाल विभाजन हुआ - 1905 में लॉर्ड कर्जन द्वारा (प्रभावी हुआ-16 अक्टूबर 1905)
- ♦ मुस्लिम लीग की स्थापना - सलीमुल्ला खान ने 1906 में (प्रथम अध्यक्ष-आगा खान)
- ♦ बंगाल विभाजन रद्द किया गया - 1911 में (लॉर्ड हार्डिंग द्वारा)
- ♦ 'माले-मिंटो' सुधार बिल पारित - 1909 में
- ♦ दिल्ली को राजधानी बनाने की घोषणा-1911 में
- ♦ भारत की राजधानी कोलकाता से दिल्ली स्थानांतरित-1912 में (लॉर्ड हार्डिंग-II के समय)
- ♦ गेटवे ऑफ इंडिया का निर्माण - 1911 में
- ♦ इंडिया गेट का निर्माण हुआ - 1921 में
- ♦ प्रिंस ऑफ वेल्स का भारत आगमन - 1921 में
- ♦ जापानी जहाज 'कामागाटामारू' को किराया पर लिया था - बाबा गुरुदत्त सिंह ने 1914 में
- ♦ होमरूल लीग की स्थापना - 1916 में (28 अप्रैल को 'तिलक' ने पुणे में तथा 3 सितंबर को 'एनी बेसेंट' ने अड्यार में)
- ♦ अखिल भारतीय होमरूल लीग की स्थापना - श्रीमति एनी बेसेंट ने
- ♦ गांधीजी अफ्रिका गये थे - 1893 में सेठ अब्दुला के निमंत्रण पर (मुकदमा लड़ने)
- ♦ गांधीजी भारत लौट थे - 9 जनवरी 1915 को (प्रवासी भारतीय दिवस - 9 जनवरी)



- ◆ गांधीजी को अंग्रेजी सरकार ने 'कैसर-ए-हिन्द' उपाधि से सम्मानित किया - 1915 में
- ◆ महात्मा गांधी ने 'साबरमती आश्रम' की स्थापना की - 1916 में अहमदाबाद (गुजरात) में
- ◆ गांधीजी ने 'फीनिक्स आश्रम' की स्थापना - 1904 में डरबन (दक्षिण अफ्रीका) में
- ◆ गांधी जी (नारा- 'करो या मरो') के राजनीतिक गुरु थे - गोपाल कृष्ण गोखले
- ◆ गांधीजी को 'अर्द्धनंगा फकीर' कहा था - बिस्टन चर्चिल (ब्रिटेन के प्रधानमंत्री थे) ने
- ◆ 'भर्ती करने वाला साजेंट' कहलाए - गांधीजी
- ◆ महात्मा गांधी को सर्वप्रथम राष्ट्रपिता कहा था - सुभाषचंद्र बोस ने (रंगून रेडियो से)
- ◆ गांधीजी को 'महात्मा' की उपाधि दी थी - रबींद्रनाथ टैगोर ने चंपारण सत्याग्रह के दौरान
- ◆ गांधीजी ने 'सत्याग्रह' का प्रथम प्रयोग किया था - दक्षिण अफ्रीका में 1906 में
- ◆ भारत में गांधीजी का प्रथम सत्याग्रह था - चम्पारण सत्याग्रह (1917 में), नील की खेती के तिनकठिया प्रणाली के विरोध में
- ◆ तिनकठिया (चंपारण) प्रथा थी - किसानों द्वारा 3/20 भाग पर नील की खेती करना
- ◆ गांधीजी को चम्पारण (बिहार) आने के लिए प्रेरित किया था - राजकुमार शुक्ल ने
- ◆ रौलेट एक्ट (काला कानून) पारित हुआ था - 1919 में लॉर्ड चेम्सफोर्ड के काल में
- ◆ 'बिना वकील, बिना अपील एवं बिना दलील का कानून' कहा गया - रौलेट एक्ट को
- ◆ 13 अप्रैल 1919 को जलियाँवाला बाग में शांति सभा आयोजित की गई थी - सैफुद्दीन किचलू एवं डॉ. सत्यपाल के गिरफ्तारी के विरोध में
- ◆ जलियाँवाला बाग हत्याकाण्ड हुआ था - 13 अप्रैल, 1919 को (लॉर्ड चेम्सफोर्ड के समय)
- ◆ जलियाँवाला बाग हत्याकांड में डायर को सहयोग किया - हंसराज नामक भारतीय ने
- ◆ जलियाँवाला बाग हत्याकांड के लिए जिम्मेदार ओ' डायर की हत्या - उधम सिंह ने लंदन में
- ◆ जलियाँवाला बाग (अमृतसर) कांड के जाँच के लिए गठित कमेटी थी - हंटर कमेटी
- ◆ गांधीजी ने 'कैसर-ए-हिन्द' तथा रबीन्द्रनाथ टैगोर ने 'नाइट हुड' की उपाधि लौटाया - जलियाँवाला बाग हत्याकांड के विरोध में
- ◆ गांधीजी की आत्मकथा -सत्य के साथ मेरे प्रयोग (प्रकाशन- 'नवजीवन' पत्रिका में)
- ◆ नोआखली काल (1946) में महात्मा गांधी के सचिव थे - प्यारे लाल
- ◆ 'हमारे जीवन से प्रकाश चला गया है' किसने कहा था - नेहरू जी ने गांधीजी की मृत्यु पर
- ◆ गांधीजी की पहली भूख हड़ताल थी - अहमदाबाद में सूती मिल कारीगरों के लिए
- ◆ गांधीजी द्वारा असहयोग आंदोलन की शुरुआत - 1 अगस्त, 1920 को
- ◆ असहयोग आन्दोलन शुरू करने के समय भारत का वायसराय था - लार्ड चेम्सफोर्ड

- ◆ चौरी-चौरा की घटना हुई थी - 5 फरवरी 1922 को गोरखपुर जिले में
- ◆ असहयोग आंदोलन स्थगित - 12 फरवरी, 1922 को (चौरी-चौरा घटना के बाद)
- ◆ स्वराज पार्टी/दल की स्थापना - 1923 ई. में चितरंजन दास और मोतीलाल नेहरू ने असहयोग आंदोलन के असफलता के बाद
- ◆ 'देश बंधु' कहा जाता है - चितरंजन दास को
- ◆ साइमन कमीशन भारत आया था - 3 फरवरी, 1928 को प्रशासनिक सुधार पर विचार हेतु
- ◆ लाला लाजपत राय (पंजाब केसरी) घायल हुए थे - 1928 में लाहौर में साइमन कमीशन के खिलाफ प्रदर्शन में हुए लाठी चार्ज में
- ◆ सेन्ट्रल असेम्बली में बम फेंका था - बटुकेश्वर दत्त एवं भगत सिंह ने 8 अप्रैल, 1929 को
- ◆ भगत सिंह, सुखदेव, राजगुरु को फाँसी दी गई - 23 मार्च, 1931 को (लाहौर षड्यंत्र में)
- ◆ 'इंकलाब जिंदाबाद' का नारा - भगत सिंह ने
- ◆ 'दांडी मार्च' की शुरुआत-12 मार्च, 1930 को साबरमती से दांडी (जिला-नौसारी, गुजरात) तक गांधीजी ने, सविनय अवज्ञा आंदोलन के रूप में 78 साथियों के साथ
- ◆ दांडी मार्च समाप्त हुआ - 6 अप्रैल 1930 को गांधीजी द्वारा नमक कानून भंग कर
- ◆ हरिजन सेवक संघ की स्थापना-1932 में गांधीजी ने (अध्यक्ष-धनश्याम दास बिड़ला)
- ◆ गांधीजी द्वारा संपादित समाचार पत्र - नवजीवन, हरिजन, यंग इंडिया (1933)
- ◆ भारत में प्रथम समाचार पत्र प्रकाशित करने का श्रेय जाता - जेम्स ऑगस्टस हिवकी को
- ◆ 'खुदाई खिदमतगार/लाल कुर्ती दल' की स्थापना - 1931 में अब्दुल गफ्फार खां ने (उपनाम-सीमांत गांधी या फ्रंटियर गांधी)
- ◆ पूना पैक्ट हुआ-24 सित. 1932 को गांधीजी और अंबेडकर के बीच दलित वर्गों के लिए
- ◆ 1936 में लखनऊ में गठित 'अखिल भारतीय किसान काँग्रेस/सभा' के प्रथम/संस्थापक अध्यक्ष थे - स्वामी सहजानंद सरस्वती
- ◆ भूदान आंदोलन की शुरुआत - विनोबा भावे ने, 1951 में आंध्र प्रदेश के पोचमपल्ली से
- ◆ बारदोली सत्याग्रह (1928) का नेतृत्व - सरदार पटेल ('लौह पुरुष' भी कहा जाता है) ने
- ◆ 'लौह पुरुष' उपाधि दिया था - गांधीजी ने
- ◆ 'सरदार' उपाधि- बारदोली की महिलाओं ने
- ◆ प्रथम गोलमेज सम्मेलन - 12 नवम्बर, 1930 को लंदन में (लार्ड इरविन के समय)
- ◆ प्रथम गोलमेज सम्मेलन (उद्घाटनकर्ता-जॉज पंचम) की अध्यक्षता- रैम्से मैकडोनाल्ड ने
- ◆ द्वितीय गोलमेज सम्मेलन- 1931 (लंदन) में
- ◆ द्वितीय गोलमेज सम्मेलन में कांग्रेस का एक मात्र प्रतिनिधि थे - महात्मा गांधी
- ◆ गांधी-इरविन समझौता हुआ -5 मार्च 1931
- ◆ तृतीय गोलमेज सम्मेलन- 17 नवम्बर, 1932
- ◆ तीनों गोलमेज सम्मेलन के समय इंग्लैंड के

- प्रधानमंत्री थे - जेम्स रैम्से मैकडोनाल्ड
- ◆ तीनों गोलमेज सम्मेलन में भाग लिया था - डॉ. भीमराव अम्बेडकर ने
- ◆ म्यूनिख पैक्ट सम्पन्न हुआ था - 1938 में
- ◆ अगस्त प्रस्ताव लाया गया - 8 अगस्त 1940 को
- ◆ क्रिप्स मिशन भारत आया- मार्च, 1942 में
- ◆ गांधीजी ने 'पोस्ट डेटेड चेक कहा' था - क्रिप्स मिशन को
- ◆ भारत छोड़ो आंदोलन की शुरुआत- 9 अगस्त, 1942 को बम्बई से गांधीजी द्वारा ('करो या मरो' नारा इसी समय दिया गया था)
- ◆ भारत छोड़ो आंदोलन के समय इंग्लैंड के प्रधानमंत्री थे - विंस्टन चर्चिल
- ◆ भारत छोड़ो आंदोलन के समय गांधीजी को कैद किया गया - पूना के आगा खां महल में
- ◆ अनुशीलन समिति का गठन किया था - 1902 में बारीन्द्र घोष एवं भूपेन्द्र घोष ने
- ◆ भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी की स्थापना की थी - 1920 में एम. एन. राय ने
- ◆ अखिल भारतीय महिला संघ की स्थापना - 1926 में
- ◆ 1934 में 'कांग्रेस समाजवादी पार्टी' का गठन किया गया था - जयप्रकाश नारायण एवं आचार्य नरेन्द्र देव के नेतृत्व में
- ◆ 'सम्पूर्ण क्रांति' का नारा - जयप्रकाश नारायण ने
- ◆ 1936 में लखनऊ में गठित 'अखिल भारतीय किसान सभा' के अध्यक्ष थे - स्वामी सहजानंद सरस्वती (महासचिव-एन.जी. रंगा)
- ◆ फॉरवर्ड ब्लॉक की स्थापना - 1939 में, सुभाष चंद्रबोस (जन्म-उड़ीसा के कटक में) ने
- ◆ 'आजाद हिन्द फौज' की स्थापना का विचार सर्वप्रथम आया था - 1942 में मोहन सिंह को
- ◆ 'आजाद हिन्द सरकार' का गठन - सुभाषचंद्र बोस ने 21 अक्टूबर, 1943 को सिंगापुर में
- ◆ 'तुम मुझे खून दो, मैं तुम्हें आजादी दूंगा' कहा था - सुभाषचंद्र बोस (नारा-जय हिंद) ने
- ◆ शिमला सम्मेलन हुआ था- 25 जून 1945 को
- ◆ कैबिनेट मिशन भारत आया- 24 मार्च 1946 को, पैथिक लॉरेंस (अध्यक्ष) के नेतृत्व में
- ◆ कैबिनेट मिशन के सदस्य थे - स्टेफोर्ड क्रिप्स, पैथिक लॉरेंस तथा ए. वी. अलेक्जेंडर
- ◆ अंतरिम सरकार का गठन - 2 सितम्बर 1946 को जवाहर लाल नेहरू की अध्यक्षता में
- ◆ संविधान सभा की पहली बैठक - 9 दिसम्बर 1946 को (अध्यक्ष-डॉ. सचिदानंद सिंहा)
- ◆ भारत विभाजन की माउंटबेटन योजना प्रस्तुत की गई - 3 जून 1947 को
- ◆ भारत एवं पाकिस्तान का विभाजन हुआ - माउंटबेटन योजना के आधार पर
- ◆ भारत की स्वतंत्रता की घोषणा की थी - क्लिमेंट एटली (ब्रिटिश प्रधानमंत्री) ने
- ◆ भारत स्वतंत्र हुआ - 15 अगस्त 1947 को
- ◆ जब भारत स्वतंत्र हुआ उस समय कांग्रेस के अध्यक्ष थे - जे. बी. कृपलानी



## विश्व का इतिहास

- ◆ पुनर्जागरण का प्रारंभ हुआ - इटली के फ्लोरेंस नगर में (1300 ई. में)
- ◆ पुनर्जागरण का अग्रदूत - दाँते (इटली)
- ◆ 'डिवाइन कॉमेडी' रचना है - दाँते की
- ◆ मानववाद का संस्थापक - पेट्रॉक (इटली)
- ◆ आधुनिक राजनीतिक दर्शन का जनक कहा जाता है- मैकियावेली को (पुस्तक-द प्रिंस)
- ◆ 'द लास्ट सपर' एवं 'मोनालिसा' नामक चित्रों के रचयिता है - लियोनार्डो-द-विंची
- ◆ 'द लास्ट जर्जमेंट' एवं 'द फॉल ऑफ मैन' कृतियाँ हैं - माइकल एंजेलो की
- ◆ रोफेल मुर्तिकार एवं चित्रकार था-इटली का
- ◆ 'मेडोना' चित्र के चित्रकार है - राफेल
- ◆ पुनर्जागरण काल में चित्रकला का जनक माना जाता है - जियाटो को
- ◆ धर्मसुधार आन्दोलन (प्रवर्तक-मार्टिन लूथर) की शुरुआत - 16वीं सदी में इटली में
- ◆ 'अमेरिकन गाँधी' कहलाए - मार्टिन लूथर
- ◆ बाइबिल का अनुवाद जर्मन में- मार्टिन लूथर
- ◆ रोमियो एंड जुलियट कृति है- शेक्सपीयर की
- ◆ अमेरिका की खोज- क्रिस्टोफर कोलंबस ने
- ◆ समुद्री मार्ग से संपूर्ण विश्व का चक्कर लगाने वाला प्रथम व्यक्ति था - मैगलन
- ◆ अमेरिका को पूर्ण स्वतंत्रता मिली - 4 जुलाई 1776 को
- ◆ अमेरिकी स्वतंत्रता-संग्राम के नायक थे - जॉर्ज वाशिंगटन (प्रथम अमेरिकी राष्ट्रपति)
- ◆ अमेरिकी स्वतंत्रता-संग्राम का तत्कालिक कारण - बोस्टन चाय पार्टी (16 दिसम्बर, 1773)
- ◆ 'बोस्टन चाय पार्टी' के नायक - सैम्युल एडम्स
- ◆ अमेरिका का स्वतंत्रता युद्ध समाप्त हुआ - 1783 ई. में पेरिस की संधि के तहत
- ◆ सप्तवर्षीय युद्ध हुआ था - इंग्लैंड और फ्रांस में (1756-63 ई. के बीच)
- ◆ अमेरिका प्रथम विश्व युद्ध में शामिल हुआ - 6 अप्रैल, 1917 को
- ◆ प्रथम विश्व युद्ध के समय अमेरिका का राष्ट्रपति था - वुड्रो विल्सन
- ◆ अमेरिका द्वितीय विश्व युद्ध में शामिल हुआ - 8 सितम्बर, 1941 को
- ◆ संसार का सर्वप्रथम लिखित संविधान लागू हुआ - अमेरिका में 1789 ई. में
- ◆ अमेरिका में गृह-युद्ध की शुरुआत - 12 अप्रैल, 1861 को (समाप्ति - 26 मई, 1865 को)
- ◆ 'प्रजातंत्र जनता का, जनता के द्वारा, जनता के लिए शासन है' कहा था - अब्राहम लिंकन ने
- ◆ फ्रांस की राज्य क्रांति हुई थी - लुई सोलहवाँ के शासनकाल में 1789 में
- ◆ 'समानता, स्वतंत्रता एवं बंधुत्व का नारा' देन है - फ्रांस की राज्यक्रांति का
- ◆ 'मैं ही राज्य हूँ और मेरे शब्द ही कानून है' कथन है - लुई चौदहवाँ का
- ◆ 'सौ चूहों की अपेक्षा एक सिंह का शासन उत्तम है' यह उक्ति है - वाल्टेयर की

- ◆ 'कानून की आत्मा' के रचनाकार - माँटेस्क्यू
- ◆ माप-तौल की दशमलव प्रणाली देन है- फ्रांस की
- ◆ नेपोलियन का जन्म - 15 अगस्त 1769 को
- ◆ नेपोलियन फ्रांस का सम्राट बना - 1804 को
- ◆ नेपोलियन के पिता का नाम था - कार्लो बोनापार्ट
- ◆ 'राष्ट्रवाद का मसीहा' कहलाया - नेपोलियन
- ◆ इंग्लैंड को 'बनियों का देश' कहा- नेपोलियन
- ◆ ट्राल्फालगर का युद्ध हुआ था - इंग्लैंड एवं नेपोलियन के बीच, 21 अक्टूबर, 1805 को
- ◆ 1815 ई. के 'वाटरलू युद्ध' में मित्रराष्ट्रों की सेना ने पराजित किया - नेपोलियन को
- ◆ 'लिटल कारपोरल' कहा गया - नेपोलियन को
- ◆ इटली का एकीकरण किया था - काउण्ट काबूर ने 1871 ई. में
- ◆ इटली के एकीकरण का जनक माना जाता है - जोसेफ मेजनी को (जन्म-जेनेवा में)
- ◆ 'लाल कुर्ती' के नाम से सशस्त्र नौजवानों की सेना का संगठन किया था - गैरीबाल्डी ने
- ◆ जर्मनी का एकीकरण पूर्ण हुआ - 1870 में
- ◆ जर्मनी का एकीकरण किया था - बिस्मार्क ने
- ◆ जर्मनी का चांस्लर कहा जाता है - बिस्मार्क को
- ◆ जर्मनी का सबसे शक्तिशाली राज्य - प्रशा
- ◆ 1866 ई. के सेरेजोवो युद्ध में ऑस्ट्रिया ने किसके आगे आत्मसमर्पण किया था - प्रशा
- ◆ सेडान का युद्ध हुआ था - 15 जुलाई 1870 को फ्रांस एवं प्रशा के बीच
- ◆ फ्रैंकफुर्ट की संधि हुई - 10 मई 1871 को
- ◆ आधुनिक रूस का निर्माता - स्टालिन को
- ◆ रूस के शासक को कहा जाता है - जार
- ◆ रूस का अंतिम जार था - निकोलस द्वितीय
- ◆ 'एक जार, एक चर्च और एक रूस' का नारा दिया था - जार निकोलस द्वितीय ने
- ◆ सोवियत संघ की स्थापना हुआ था - 1922 में
- ◆ 'दुनिया के मजदूरों एक हो' का नारा दिया था - कार्ल मार्क्स (जर्मनी) ने
- ◆ 'दास कैपिटल' रचना है - कार्ल मार्क्स की
- ◆ रूस में बोलशेविक क्रांति हुई थी - 1917 को
- ◆ लाल सेना को संगठित किया था - ट्राट्स्की ने
- ◆ 'मदर' की रचना की थी- मैक्सिम गोर्की ने
- ◆ औद्योगिक क्रांति की शुरुआत - इंग्लैंड में
- ◆ इंग्लैंड में गौरवपूर्ण क्रांति हुई - 1688 ई. में
- ◆ गुलाबों का युद्ध हुआ - इंग्लैंड में
- ◆ सौ वर्षीय युद्ध हुआ- इंग्लैंड-फ्रांस के बीच
- ◆ प्रथम विश्व युद्ध की शुरुआत- 1914 को
- ◆ प्रथम विश्व युद्ध में भाग लिया - 37 देशों ने
- ◆ प्रथम विश्वयुद्ध में सर्वाधिक हानि- जर्मनी को
- ◆ प्रथम विश्व युद्ध का कारण - ऑस्ट्रिया के राजकुमार फर्डिनेंड की सेराजेवो में हत्या
- ◆ प्रथम विश्वयुद्ध (1914-1918) के समय भारत का वायसराय था- लॉर्ड हार्डिंग द्वितीय
- ◆ प्रथम विश्वयुद्ध (1914-1918) के समय अमेरिका का राष्ट्रपति था - वुड्रो विल्सन

- ◆ प्रथम विश्व युद्ध में अमेरिका ने भाग लिया - 6 अप्रैल 1917 ई. को
- ◆ मित्र राष्ट्रों में थे - इंग्लैंड, इटली, रूस, अमेरिका, फ्रांस, जापान
- ◆ धुरी राष्ट्रों में थे - जर्मनी, तुर्की, हंगरी, ऑस्ट्रिया, जिसका नेतृत्व जर्मनी ने किया था
- ◆ वर्साय की संधि हुई - 28 जून, 1919 को
- ◆ द्वितीय विश्व युद्ध (1939-1945) के समय ब्रिटेन के प्रधानमंत्री - विंस्टन चर्चिल
- ◆ द्वितीय विश्व युद्ध के समय अमेरिका का राष्ट्रपति था - फ्रैंकलिन डी. रूजवेल्ट
- ◆ द्वितीय विश्व युद्ध में भाग लिया- 61 देशों ने
- ◆ द्वितीय विश्व युद्ध का तत्कालिक कारण था - जर्मनी का पोलैंड पर आक्रमण
- ◆ द्वितीय विश्व युद्ध में मित्र राष्ट्रों द्वारा पराजित होने वाला अंतिम देश था - जापान
- ◆ द्वितीय विश्व युद्ध के समय भारत का वायसराय था - लार्ड लिनलिथगो (प्रारंभ के समय) तथा लार्ड बैवेल (समाप्त होने के समय)
- ◆ द्वितीय विश्व युद्ध समाप्त हुआ- 2 सितम्बर 1945 को (शुरू -1 सितंबर 1939 को)
- ◆ 1911 ई. में हुई चीनी क्रांति का नायक था - सनयात सेन (चीन के प्रथम राष्ट्रपति)
- ◆ चीन में गृह-युद्ध शुरू हुआ था - 1928 में
- ◆ खुले द्वार की नीति अपनाई गई थी - चीन में
- ◆ खुले द्वार की नीति का प्रतिपादक - जॉन हे
- ◆ चीन की विशाल दीवार का निर्माता - शी ह्वांग टी
- ◆ चीन द्वारा भारत पर आक्रमण - 1962 को
- ◆ 'एशिया का मरीज' कहा गया - चीन को
- ◆ 'यूरोप का मरीज' कहा जाता है- तुर्की को
- ◆ आधुनिक तुर्की का निर्माता - मुस्तफा कमाल पाशा (उपनाम-अतातुर्क/तुर्की का पिता)
- ◆ लोजान की संधि हुई थी - टर्की और मित्र राष्ट्रों के बीच 1923 ई. में
- ◆ फासिज्म (इटली) का जन्मदाता- मुसोलिनी
- ◆ हिटलर का जन्म - 20 अप्रैल, 1889 को
- ◆ हिटलर ने आत्महत्या की- 30 अप्रैल, 1945
- ◆ 'फ्यूहरर' कहा जाता है- एडोल्फ हिटलर को
- ◆ 'मेरा संघर्ष (My Kampf)' आत्मकथा - हिटलर
- ◆ 'एक राष्ट्र, एक नेता' का नारा - हिटलर ने
- ◆ 'पीत आतंक' कहा जाता है - जापान को
- ◆ जापान की नाट्य शैली है - काबुकी
- ◆ पहली बार 6 अगस्त, 1945 को हिरोशिमा पर गिराया गया एटम बम था - लिटल बॉय
- ◆ दूसरी बार 9 अगस्त, 1945 को नागासाकी पर गिराया गया एटम बम था - फैटमैन
- ◆ सौ वर्षीय युद्ध - इंग्लैंड एवं फ्रांस के बीच
- ◆ बर्मा स्वतंत्र हुआ था - 4 जनवरी, 1948 को
- ◆ 'पाब्लो पिकासो' एक चित्रकार था- स्पेन को
- ◆ सीरिया की राजधानी है - दमिश्क
- ◆ 'द लॉज' एवं 'रिपब्लिक' रचना है- प्लेटो का
- ◆ ब्रिटेन-चीन के बीच प्रथम अफीम युद्ध - 1839
- ◆ भारत-चीन के बीच पंचशील समझौता हुआ था - 20 अप्रैल, 1954 को